Archives copy

Archives . Copy

वार्षिक रिपोर्ट 1996-97
ANNUAL REPORT 1996-97

भारतीय मानक ब्यूरो

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

ब्यूरो, कार्यकारिणी समिति, सलाहकार समिति और महानिदेशालय के प्रमुख अधिकारी

PRINCIPAL OFFICERS OF BUREAU, EXECUTIVE COMMITTEE, ADVISORY COMMITTEES AND THE DIRECTORATE GENERAL

(31 मार्च 1997 को) (AS ON 31 MARCH 1997)

भारतीय मानक ब्यूरो Bureau of Indian Standards

अध्यक्ष President	श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव केन्द्रीय खाद्य, नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री	Shri Devendra Prasad Yadav Union Minister for Food, Civil Supplies, Consumer Affairs & Public Distribution
अध्यक्ष, कार्यकारिणी समिति Chairman, Executive Committee	श्री एन. एन. मुखर्जी, महानिदेशक, भामाब्यूरो एवं सचिव, नागरिक पूर्ति	Shri N.N. Mookerjee, DG, BIS and Secretary, Civil Supplies
अध्यक्ष, वित्तीय समिति Chairman, Finance Committee	श्री बी. एन. सोम वित्तीय सलाहकार नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय	Shri B.N. Som Financial Adviser Ministry of Civil Supplies, Consumer Affairs and Public Distribution
अध्यक्ष, प्रमाणन सलाहकार समिति Chairman, Certification Advisory Committee	ले. जनरल एच. लाल महानिदेशक (गुणता मंच) फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री	Lt Gen H. Lal Director General (Quality Forum) Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry
अध्यक्ष, प्रयोगशाला सलाहकार समिति Chairman, Laboratory Advisory Committee	प्रो. ई. एस. आर. गोपाल निदेशक, राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला, नई दिल्ली	Prof. E.S.R. Gopal Director National Physical Laboratory, New Delhi
अध्यक्ष, योजना और विकास सलाहकार समिति Chairman, Planning and Development Advisory Committee	श्री एन. एन. मुखर्जी, महानिदेशक, भामा ब्यूरो एवं सचिव, नागरिक पूर्ति	Shri N.N. Mookerjee, DG, BIS and Secretary, Civil Supplies
अध्यक्ष, मानक सलाहकार समिति Chairman, Standards Advisory Committee	डॉ० एच. सी. विश्वेश्वरैया चंद्रिका, 63-64, ईस्ट पार्क रोड, मल्लेश्वरम, बंगलौर	Dr. H.C. Visvesvaraya Chandrika, 63-64, East Park Road, Malleswaram, Bangalore
अध्यक्ष, उपभोक्ता नीति सलाहकार समिति Chairman, Consumer Policy Advisory Committee	श्री एच. डी. शौरी निदेशक, कॉमन कॉज़, नई दिल्ली	Shri H.D. Shourie Director, Common Cause, New Delhi

भामा ब्यूरो महानिदेशालय BIS Directorate General

मुख्यालय Headquarters

महानिदेशक Director General		श्री एन. एन. मुखर्जी	Shri N.N. Mookerjee
अपर महानिदेशक Additional Directors General			
तकनीकी	Technical	श्री पी. एस. दास	Shri P. S. Das
मुहरांकन	Marks	श्री जी रमन	Shri G. Raman
मुख्य सतर्कता अधिकारी Chief Vigilance Officer		श्रीमती रश्मि चौधरी	Smt. Rashmi Chaudhuri
उपमहानिदेशक Deputy Directors General			
तकनीकी	Technical	श्री के. राघवेन्द्रन	Shri K. Raghavendran
प्रयोगशाला	Laboratory	श्री डी. एस. अहलूवालिया	Shri D. S. Ahluwalia
मध्य क्षेत्रीय	Central Region	श्री जे. वैंकटरामन	Shri J. Venkataraman

क्षेत्रीय कार्यालय Regional Offices

उपमहानिदेशक Deputy Directors General			
पूर्वी क्षेत्र	Eastern Region	श्री टी. एस. सुब्रामण्यम	Shri T.S. Subramaniam
उत्तरी क्षेत्र	Northern Region	श्री बी. मुखर्जी	Shri B. Mukherji
पश्चिम क्षेत्र	Western Region	श्री पी. दक्षिणमूर्ति	Shri P. Dakshinamurthy

विषय सूची
CONTENTS

1. सिंहावलोकन 1
Overview

2. नीति और आयोजना 6
Policy Strategies and Planning

3. मानक 7
Standards

4. प्रमाणन 11
Certification

5. सूचना सेवाएँ 14
Information Services

6. प्रयोगशाला सेवाएँ 15
Laboratory Services

7 प्रशिक्षण सेवाएँ 18
Training Services

8. उपभोक्ता संबंधी गतिविधियाँ 18
Consumer Related Activities

9. अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियाँ 20
International Activities

10. मानव संसाधन विकास 22
Human Resource Development

11. कंप्यूटरीकरण और कार्यालय स्वचलन 23
Computerization and Office Automation

12. वित्त, लेखा और लेखा-परीक्षा 24
Finance, Accounts and Audit

2942 (Misc) 3
99-05-13

सिंहावलोकन
OVERVIEW

भारतीय मानक ब्यूरो ने अपनी विभिन्न गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में प्रगति करना जारी रखा। ब्यूरो ने मानकीकरण और गुणता के क्षेत्र में राष्ट्र को समर्पित 5 दशक पूरे किए। प्रारम्भिक वर्षों में निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करते हुए 1996-97 में भी विभिन्न क्षेत्रों में पर्याप्त प्रगति और वित्तीय आत्मनिर्भरता बनाए रखी। भारतीय मानक ब्यूरो लगातार आठवें साल अपने कार्यकलापों के लिए पर्याप्त आर्थिक संसाधन जुटाने में सफल रहा जिसके परिणामस्वरूप गैर योजना खर्चों के लिए सरकारी सहायता की आवश्यकता नहीं महसूस की गई।

The Bureau of Indian Standards continued to make steady progress all around in its various activities. The Bureau completed five decades of dedicated service to the nation in the area of standardization and quality. Maintaining the trend set during the earlier year, 1996-97 was also a year of sustained growth and financial self sufficiency. BIS has been able to generate adequate resources for its activities for the eighth successive year, as a result the need for government assistance towards its non plan expenditure was not felt.

वर्ष के दौरान भामा ब्यूरो की गतिविधियों के संबंध में मार्ग निर्देश प्राप्त करने के लिए विभिन्न परामर्श समितियों की बैठकें आयोजित की गई। ब्यूरो के विभिन्न कार्यकलापों की आगे भविष्य में प्रगति के लिए किए गए कार्यों की मॉनीटरी कार्यकारिणी समिति द्वारा की गई।

Various Advisory Committees met during the year providing guidelines to BIS in its activities. The Executive Committee monitored the ongoing activities of the Bureau for further growth and development.

मानक निर्धारण

भामा ब्यूरो ने 324 भारतीय मानकों (नये और पुनरीक्षित) का निर्धारण किया जिसके लिए 140 विषय समितियों की बैठकें आयोजित की गईं। वर्ष के दौरान, तकनीकी विभागों में मानक निर्धारण कार्य के लिए दिशा निर्देश देने हेतु सिविल इंजीनियरी, इलैक्ट्रानिक एवं दूरसंचार, विद्युत तकनीकी, खाद्य एवं कृषि, भारी यांत्रिक इंजीनियरी, हल्की यांत्रिक इंजीनियरी, धातुकर्म इंजीनियरी, पेट्रो रसायन, उत्पादन इंजीनियरी, वस्त्रादि, परिवहन इंजीनियरी विभाग परिषदों की बैठकें आयोजित की गई।

Standards Formulation

BIS formulated 324 Indian Standards (new and revised), for which the meetings of over 140 Sectional Committees were held. The meetings of Division Councils of Civil Engineering, Electronics and Telecommunications, Electrotechnical, Food and Agriculture, Heavy Mechanical Engineering, Light Mechanical Engineering, Metallurgical Engineering, Petrochemicals, Production Engineering, Textiles and Transport Engineering were convened during the year to guide the work of the technical departments in standards formulation.

भारतीय मानक ब्यूरो ने समरूपण प्रक्रिया के अन्तर्गत कई अंतर्राष्ट्रीय मानकों को भारतीय मानकों के रूप में ग्रहण किया जिन में पर्यावरण प्रबंध पद्धति संबंधित आई.एस.ओ. 14000 श्रृंखला के मानक शामिल हैं।

In the process of harmonization BIS adopted a number of International Standards as Indian Standards including those pertaining to Environmental Management Systems, namely, ISO 14000 series.

उत्पाद प्रमाणन

भारतीय मानक ब्यूरो ने 1567 नये लाइसेंस स्वीकृत करके भामा ब्यूरो उत्पाद प्रमाणन योजना में निरन्तर प्रगति करना जारी रखा। इस योजना के अंतर्गत 15 नये उत्पादों के लिए पहली बार लाइसेंस स्वीकृत किए गए। इनमें स्प्रिंकलर के लिए पॉलीथिलीन कपलर्स, नैदानिक एक्सरे उपस्कर, मीठा आंशिक मलाई रहित दूध पाउडर शामिल हैं। 31 मार्च 1997 को कुल परिचालित लाइसेंसों की संख्या 12602 हो गई और लाइसेंसों से 39.93 करोड़ रूपये की आय हुई।

Product Certification

Steady progress was made in BIS Product Certification Scheme with the grant of 1567 new licences. 15 new products were covered for the first time under the scheme. Some of these are polyethylene couplers for sprinklers, diagnostic X-ray equipment, sweetened partly skimmed milk powder. The number of operational licences as on 31 March 1997 stood at 12602 and an income of Rs. 39.93 crores was generated.

अन्य देशों में भी उत्पाद प्रमाणन योजना परिचालित करने के लिए नीतिगत निर्णय लिया गया। यह निर्णय

A policy decision was taken to extend the product certification scheme to

उत्साहवर्धक रहा तथा भूटान से लाइसेंस हेतु आवेदन-पत्र पंजीकृत किए गए।

भामा ब्यूरो ने कनाडियन स्टैण्डर्डस एसोसिएशन, अन्डरराइटर्स प्रयोगशाला, यू.एस.ए. और साउथ अफ्रिकन ब्यूरो ऑफ स्टैण्डर्डस की प्रमाणन कार्य योजनाओं को उनकी ओर से भारत में प्रचालित करना जारी रखा। आई.ई.सी.क्यू. योजना के अंतर्गत भामा ब्यूरो राष्ट्रीय मानक संगठन और राष्ट्रीय प्राधिकृत संस्था के रूप में तथा आई.ई.सी.ई.ई.–सी.बी. योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय प्रमाणन निकाय के रूप में कार्य कर रहा है।

पद्धति प्रमाणन

भामा ब्यूरो ने गुणता पद्धति प्रमाणन के क्षेत्र में भी निरन्तर प्रगति की। आई.एस. आई.एस.ओ. 9901 और 9002 के अनुरूप 74 पद्धति प्रमाणन लाइसेंस स्वीकृत किए गए। भारतीय मानक ब्यूरो ने पहली बार शल्य चिकित्सा, मुद्रण, स्वास्थ्य और निर्माण के क्षेत्रों में गुणता पद्धति प्रमाणन लाइसेंस स्वीकृत किए।

प्रयोगशाला सेवाएँ

आई.एस.ओ./आई.ई.सी. गाइड 25 के अनुरूप प्रयोगशाला गुणता पद्धति अपेक्षाओं के लिए परीक्षण एवं अंशशोधन हेतु राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एन.ए.बी.एल.) ने साहिबाबाद स्थित केन्द्रीय प्रयोगशाला की यांत्रिक अंशशोधन गतिविधि के लिए मान्यता प्रदान की। एन.ए.बी.एल. ने केन्द्रीय प्रयोगशाला की यांत्रिक, विद्युत, रासायनिक और जैवकीय परीक्षण सुविधाओं और पश्चिम क्षेत्रीय प्रयोगशला, मुम्बई की विद्युत, यांत्रिक और रासायनिक परीक्षण सुविधाओं की मान्यता के लिए सिफारिश की।

भामा ब्यूरो ने अनुमोदित और अन्य प्रयोगशालाओं में आई.एस.ओ. आई.ई.सी. गाइड 25 की अपेक्षाओं और कार्यान्वयन से सम्बद्ध जागरूकता उत्पन्न करने के लिए दिल्ली, कलकत्ता, मुम्बई और चेन्नई में कार्यशालाएँ आयोजित कीं। भामा ब्यूरो प्रयोगशाला मान्यता योजना की अपेक्षाओं को आई.एस.ओ./आई.ई.सी. गाइड 25 के समरूप बनाया गया। यह कार्य परीक्षण क्षमताओं में और अधिक आत्मविश्वास पैदा करने और उन प्रयोगशालाओं के परिणामों को भामा ब्यूरो उत्पाद प्रमाणन योजनाओं के लिए उपयोग करने की दृष्टि से किया गया।

एशिया पेसिफिक लैब एक्रेडिटेशन कोआपरेशन (ए.पी.एल.ए.सी.) के अन्तर्गत एन.ए.बी.एल. द्वारा संचालित दक्षता परीक्षण में भामा ब्यूरो प्रयोगशाला ने निरन्तर जारी रखने वाली गतिविधि के रूप में भाग लिया। यह संतोष का विषय है कि भामा ब्यूरो प्रयोगशालाओं की कार्यकारिता उच्च गुणता स्तर की पाई गई।

साहिबाबाद स्थित केन्द्रीय प्रयोगशाला की यांत्रिक अंशशोधन प्रयोगशाला को अंशशोधन सेवाओं हेतु उद्योगों के लिए खोल दिया गया है। भामा ब्यूरो प्रयोगशाला की परीक्षण सुविधाएँ, सरकारी सगठनों और निर्यातकों के लिए भी उपलब्ध कराने का नीतिगत

other countries also. The response was encouraging and we have registered applications from Bhutan.

BIS continued operating the certification scheme in India on behalf of the Canadian Standards Association, the Underwriters Laboratory, USA and the South Africa Bureau of Standards for their certification work. Under IECQ scheme, BIS is acting both as the National Standards Organization as well as the National Authorised Institution and as National Certifying Body under IECEE-CB scheme.

System Certification

BIS also continued its steady progress in the Quality System Certification. 74 Quality System Certification licences were granted as per IS/ISO 9001 and 9002. For the first time surgical, printing, health and construction sectors were granted Quality System certification by BIS.

Laboratory Services

Central Laboratory at Sahibabad was accredited for mechanical calibration activity by National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories (NABL) for laboratory quality system requirements against ISO /IEC Guide 25. Mechanical, Electrical, Chemical and Biological testing facilities of Central Laboratory and Electrical, Mechanical and Chemical testing facilities of Western Regional Laboratory at Mumbai were recommended for accreditation by NABL.

Workshops were organised at Delhi, Calcutta, Mumbai and Chennai to spread awareness amongst BIS approved and other laboratories concerning requirements and implementation of ISO/IEC Guide 25. BIS Laboratory Recognition Scheme requirements were aligned with the requirements of ISO/IEC Guide 25 with a view to have greater confidence in the testing capabilities and results of laboratories utilized for BIS product certification scheme.

As an ongoing activ ty BIS laboratories took part in proficiency testing conducted by NABL under Asia Pacific Lab Accreditation Cooperation (APLAC). It is a matter of satisfaction that the performance of BIS laboratories was reported to be of very high order.

Mechanical Calibration Laboratory at Central Laboratory, Sahibabad was opened to industry for calibration services. A policy decision was also taken to make available BIS laboratories test facilities to government

निर्णय लिया गया।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत राज्य सरकारें बाहर की प्रयोगशालाओं को उपयुक्त प्रयोगशाला के रूप में मान्यता देती हैं। यह ब्यूरो द्वारा संतोषजनक मूल्यांकन दिए जाने पर आधारित होता है। उक्त मूल्यांकन यह सुनिश्चित करता है कि प्रयोगशाला में उपयुक्त समग्र मूल संरचनात्मक सुविधाओं सहित विभिन्न अपेक्षाओं के अनुरूप पूर्ण परीक्षण सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इस संबंध में ब्यूरो द्वारा आवश्यक प्रलेख तैयार किए गए।

संवर्धन गतिविधि

मानकों के शैक्षिक उपयोगिता कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं अध्यापकों के लिए अलीगढ़, कानपुर, लखनऊ, कोचीन, अहमदाबाद, कलकत्ता और एर्णाकुलम सहित देशभर में मानकीकरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए कार्यशालाएँ आयोजित की गई।

प्रवर्तन गतिविधि

आई.एस.आई. मुहर का दुरूपयोग रोकने की दृष्टि से देशभर में 27 जाँच–पड़ताल और जब्ती छापे मारे गए। इनमें खाद्य उत्पाद, सीमेंट, मृदु इस्पात पाइप, विद्युत उपस्कर, निमज्जय पम्प सैट, एयर कन्डीशनर, मृदा सी. आई. पाइप और फिटिंग, पेयजल हेतु फिल्टर, लघु परिपथ वियोजक, पी.वी.सी. पाइप, कीटनाशक बनाने वाले उद्योग शामिल हैं।

आधुनिकीकरण

कार्यालय सेवा में यांत्रिकीकरण के लिए भामा ब्यूरो ने अपने प्रयास जारी रखे और टी.सी.पी./आई.पी. के रूप में भामा ब्यूरो ने अपने को इन्टरनेट पर संबद्ध कर लिया। कंप्यूटरकृत सूचना प्रबन्ध पद्धति परियोजना पर आगे कार्य किया गया।

विकासात्मक गतिविधियाँ

उद्योगों और उपभोक्ताओं को बेहतर और त्वरित सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दृष्टि से पुणे और नागपुर निरीक्षण कार्यालयों को शाखा कार्यालय बना दिया गया।

राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में प्रगति

राजभाषा हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के लिए हिन्दी आशुलिपि और टंकण के 6 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गये, जिनमें 65 कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया। 51 अधिकारियों और स्टाफ के लिए 3 हिन्दी कार्यशालाएँ भी आयोजित की गई। शब्दरत्न (हिन्दी का कंप्यूटर पैकेज) के प्रशिक्षण के लिए 31 कार्मिकों हेतु एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

15 से 29 सितम्बर 1996 तक देशभर में भामा ब्यूरो के कार्यालयों में हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। इस पखवाड़े के दौरान हिन्दी प्रदर्शनी, तकनीकी और गैर तकनीकी विषयों पर निबन्ध, हिन्दी आशुलिपि और टंकण आदि विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं में

organisations and exporters.

State governments recognize outside labs as appropriate labs under Consumer Protection Act, 1986. This is based on satisfactory assessment by the Bureau ensuring availability of complete test facilities against various specifications with suitable overall infrastructure. In this regard necessary documentation was developed by BIS.

Promotional Activities

To create awareness about standardization, workshops/ programmes were organised at various places all over the country, namely, Aligarh, Kanpur, Lucknow, Cochin, Ahmedabad, Calcutta and Ernakulam for the benefit of students and faculty members under an ongoing programme on Educational Utilization of Standards.

Enforcement Activities

With a view to curb misuse of ISI mark, 27 search and seizure raids were conducted throughout the country covering industries manufacturing food products, cement, M.S. tubes, electrical appliances, submersible pumpsets, air conditioners, soil C.I. pipes and fittings, filters for drinking water, miniature circuit breakers, PVC pipes, pesticides, etc.

Modernization

BIS continued its stride towards automation in office services and BIS hooked itself to Internet as a TCP/IP. Project on computerized interactive information management system was further processed.

Development Activities

With a view to provide better and speedier services to the industry and consumers, Inspection Offices at Pune and Nagpur were upgraded to Branch Offices.

Hindi Promotion

To give boost to promotion of Hindi, 6 training programmes in Hindi shorthand and typing were organized in which 65 employees were trained. 3 Hindi workshops were also organized for 51 officers and staff. A training programme on Shabd Ratan (a computer package in Hindi) was organized for 31 employees.

Hindi Pakhwara was celebrated in BIS offices all over the country from 15 to 29 September 1996. During this fortnight Hindi exhibition was organised and various competitions on essay writing on technical and non technical subjects, Hindi shorthand and typing,

विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

etc, were conducted. Awards were presented to the winners of various competitions to encourage the use of Hindi.

स्वर्ण जयंती समारोह

चूँकि भामा ब्यूरो इस वर्ष राष्ट्र के लिए अपनी समर्पित सेवा के 50 वर्ष पूरे कर रहा है, अतः वर्ष 1997-98 के दौरान पूरे भारतवर्ष में उपभोक्ता कल्याण और गुणता पर संगोष्ठियाँ और सम्मेलन आयोजित करके तथा भारत के प्रधानमंत्री के द्वारा स्वर्ण जयंती स्मारिका के विमोचन के माध्यम से यह वर्ष स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मनाने के कार्य आरम्भ करने की तैयारी की गई।

Golden Jubilee Celebrations

As BIS was completing 50 years of its dedicated service to the nation preparatory work started to celebrate 1997-98 as Golden Jubilee year by way of organising seminars and conferences on Consumer Welfare and Quality all over India and release of Golden Jubilee Souvenir by Prime Minister of India.

उपभोक्ता कल्याण

भामा ब्यूरो की भूमिका और उपभोक्ता कल्याण के संवर्धन के बारे में उपभोक्ताओं में और अधिक जागरूकता उत्पन्न करने के लिए भामा ब्यूरो ने उपभोक्ता संगठनों के साथ पारस्परिक सम्पर्कों को और अधिक सुदृढ़ करने के प्रयास जारी रखे। प्रमाणित उत्पादों की शिकायतों की तेजी से सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए एक पूर्णतः सुसज्जित उपभोक्ता मामले विभाग मुख्यालय में कार्य कर रहा है। मुख्यालय तथा क्षेत्रीय/शाखा कार्यालयों में वरिष्ठ अधिकारियों को जन शिकायत अधिकारियों के रूप में पद नामित किया गया है।

15 मार्च 1997 को ब्यूरो ने अपने क्षेत्रीय/शाखा कार्यालयों के माध्यम से पूरे देश में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया। दिल्ली में इस अवसर पर नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले तथा सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के साथ संयुक्त रूप से "उपभोक्ता कल्याण तथा पर्यावरण संरक्षण" विषयवस्तु पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले तथा सार्वजनिक वितरण मंत्री तथा भामा ब्यूरो के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव ने किया। इस अवसर पर माननीय मंत्री महोदय द्वारा सीमेंट पर उपभोक्ता शिक्षा से संबंधित विवरणिका का विमोचन किया गया।

Consumer Welfare

BIS continued its persuit for strengthening interaction with consumer organizations with a view to create better awareness amongst the consumers regarding the role of BIS and promote consumer welfare. A full fledged Consumer Affairs Department is operational at Headquarters to ensure speedy redressal of complaints in respect of certified products. Senior officers have been designated as Public Grievance Officers in Headquarters and Regional/Branch offices.

World Consumer Rights day was celebrated on 15 March 1997 all over the country through the Regional & Branch offices. In Delhi, a programme on the theme "Consumer Welfare and Environment Protection" was organised jointly with the Ministry of Civil Supplies, Consumer Affairs and Public Distribution which was inaugurated by Hon'ble Minister for, CS, CA & PD Shri Devender Prasad Yadav and President, BIS. On this occasion a consumer education brochure on cement was released by Hon'ble Minister

मानव संसाधन विकास

31 मार्च 1997 को भामा ब्यूरो की कुल जन शक्ति 2251 व्यक्ति थी, जिनमें 445 व्यक्ति अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के संवर्गों के थे। वर्ष के दौरान 48 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिनमें सभी स्तरों के कुल कर्मचारियों में से 36% कर्मचारियों ने भाग लिया।

विभिन्न रूचि रखने वाले समूहों की विशिष्ट माँगों को पूरा करने के लिए और प्रयोगशाला और गुणता प्रबन्ध में उद्योगों की सहायता करने के लिए प्रशिक्षण संस्थान की सहायता से उत्पादन परीक्षण, आई.एस.ओ. 9000 श्रृंखला के मानक, ऑडिटिंग एवं एम.आर. दक्षता बढ़ाने संबंधी कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

Human Resource Development

As on 31 March 1997 BIS had a strength of 2251 persons including 445 persons belonging to SC & ST categories. During the year 48 training programmes were organized covering 36% of total employees at all levels

Several training programmes on product testing, ISO 9000 series of standards, enhancing auditing & MR skills, etc, were organised with the help of Training Institute to meet specific demands of various interest groups and also to help the industry in laboratory and quality management.

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग

अक्टूबर 1997 में नई दिल्ली में आयोजित होने वाली आई.ई.सी. की महासभा के लिए तैयारी करने का कार्य भारतीय राष्ट्रीय आयोजन समीति (आई.एन.ओ.सी.) के गठन के साथ और अधिक व्यापक किया गया। आई.ई.सी. महासभा के आतिथ्य से संबंधित विस्तृत

International Cooperation

The preparatory work for IEC General meeting scheduled for October 1997 in New Delhi was intensified with the constitution of an Indian National Organising Committee (INOC). An Indian delegation including Chairman

अध्ययन के लिए ब्यूरो के भारतीय शिष्ट मण्डल ने ड्रेसडन (जर्मनी) में सितम्बर 1996 में आयोजित आई.ई.सी. की 60वीं महासभा में भाग लिया। इस शिष्ट मण्डल में आई.एन.ओ.सी. के अध्यक्ष और सह-अध्यक्ष शामिल थे।

ईरान के उद्योग मंत्री तथा विदेशी निकायों जैसे अन्तर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन, मौरिशस् स्टैण्डर्डस् ब्यूरो, स्कैट (स्विस आर्गनाइजेशन वर्किंग ऑन हैंड पम्प टेक्नालॉजी), अण्डरराइटर्स लेबोरेट्री, यु.एस.ए. के कई प्रतिनिधि इस वर्ष ब्यूरो आए। इनके साथ पारस्परिक सहयोग बढ़ाने के संबंध में विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

आई.ई.सी./टी.सी. 61 'सेफ्टी ऑफ हाउस होल्ड एण्ड इलैक्ट्रीकल एप्लाइंसेस' की बैठक 18 से 22 नवम्बर 1996 तक नई दिल्ली में आयोजित की गई। इस बैठक में 20 देशों के 42 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

भविष्य की योजनाएँ

अपने अस्तित्व में आने के बाद के 5 दशकों में प्राप्त अनुभव और व्यापार के उदारीकरण के परिणामस्वरूप बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य में भामा ब्यूरो स्वयं को नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार कर रहा है। अगले वर्ष पर्यावरण प्रबंध पद्धति प्रमाणन आरम्भ करने की योजना बना ली गई है। पर्यावरण और पारिस्थितकी संरक्षण की दिशा में किए गए उपायों के रूप में ईको मुहर योजना के अंतर्गत पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद लाने के प्रयास भी किए जायेंगे।

गुणता पद्धति प्रमाणन के बाजार में अपना हिस्सा बढ़ाने और उपभोक्ताओं के लिए प्रमाणित उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए भामा ब्यूरो की प्रमाणन मुहर योजना में नए उत्पाद शामिल करने के प्रयास भी 1997-98 में किए जायेंगे । भामा ब्यूरो की प्रमाणन योजनाओं को और अधिक लोकप्रिय करने और मानक मुहर लगे उत्पादों के लाभों के बारे में आम उपभोक्ता को शिक्षित करने के लिए प्रचार अभियान और अधिक सुदृढ़ किए जायेंगे।

पी० एस० दास

(महानिदेशक)

and Co-Chairman of INOC participated in the 60th General Meeting of IEC held in Dresden (Germany) in September 1996 to study the details of hosting IEC General Meeting.

Iranian Minister of Industry and several delegates from overseas bodies, namely, the International Organisation for Standardization, Mauritius Standards Bureau, SKAT (Swiss Organization Working on Handpump Technology), Underwriters Laboratory, U.S.A., visited the Bureau during the year. The views were exchanged on extending mutual cooperation.

IEC/TC 61 "Safety of Household & similar Electrical Appliances" meeting was held at New Delhi from 18 to 22 November 1996 which was attended by 42 delegates from 20 countries.

Future Projections

With the experience gained during past five decades of its existence and changed economic scenario due to liberalization of trade, BIS is preparing itself to face new challenges. Plans have been drawn to launch Environment Management System Certification during next year. Efforts will also be made to bring environment friendly products under ECO mark scheme as a step towards protection of environment and ecology.

Efforts will also be made to increase our market share in Quality System Certification and bring new products under BIS certification marks scheme in 1997-98 in order to increase the availability of certified products to the consumers. Publicity drive would be strengthened to further popularise BIS certification schemes and educate the common consumers about the benefits of standard marked products

P.S. DAS

(Director General)

नीति और आयोजना
POLICY STRATEGIES AND PLANNING

योजनागत परियोजनाएँ

भामा ब्यूरो की मूल संरचनात्मक सुविधाएँ जो प्रकृतितः गहन पूँजी की अपेक्षा रखती हैं, राष्ट्रीय योजना व्यय के भाग के रूप में सरकार द्वारा प्रदत्त वित्त से बनायी जाती हैं। आठवीं पंचवर्षीय योजना (1992-97) के अंतर्गत अनुमोदित भामा ब्यूरो की योजनागत परियोजना के लिए 1 500 लाख रूपये का व्यय प्रदान किया गया है। जिसमें वर्ष 1992-97 के दौरान केवल 1 130 लाख रूपये उपलब्ध कराए गए। वर्ष 1996-97 के दौरान 78.10 लाख रूपये विभिन्न योजनागत परियोजनाओं में खर्च किये गये। इस अवधि के दौरान की गई प्रगति का विवरण निम्न प्रकार है:

प्रयोगशाला उपस्कर

भामा ब्यूरो की विभिन्न प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण और परीक्षण सुविधाओं के उन्नयन के लिए इन प्रयोगशालाओं में नवीनतम परीक्षण उपस्करों को स्थापित किया जा रहा है, ताकि भामा ब्यूरो प्रयोगशालाओं की रिपोर्टें विश्व बाजार में स्वीकार्य हो सके। इस परियोजना के अधीन वर्ष 1996-97 के दौरान 20.22 लाख रूपये की राशि खर्च की गई।

विज्ञान और प्रौधोगिकी

आई.एस. 875 (भाग 3) पर एक्सपलेनेटरी हैंडबुक पूरी की जा चुकी है और उसे मुद्रण हेतु भेज दिया गया है। इस परियोजना में वर्ष 1996-97 के दौरान 8.14 लाख रूपये का खर्च हुआ।

केन्द्रीय पूछताछ केन्द्र

भारत सरकार ने विश्व व्यापार संगठन, पूर्व में तटकर और व्यापार पर सामान्य करार (गैट), मानक संहिता के अन्तर्गत भामा ब्यूरो को केन्द्रीय पूछताछ केन्द्र के रूप में नामित किया है। इस परिप्रेक्ष्य में सूचना पद्धति को शक्तिशाली बनाने की परियोजना में वर्ष 1996-97 की अवधि के दौरान 1.78 लाख रूपये खर्च किये गये।

स्टाफ के लिए आवास की व्यवस्था

स्थानान्तरित होने वाले कर्मचारियों के लाभ के लिए आवास की गंभीर कमी की समस्या के समाधान के लिए भामा ब्यूरो मुख्यालय, क्षेत्रीय/शाखा कार्यालयों में आवासीय फ्लैट खरीद रहा है। वर्ष 1996-97 के दौरान भामा ब्यूरो के भोपाल और कोयम्बत्तूर शाखा कार्यालयों ने फ्लैट खरीदने की प्रक्रिया आरम्भ की और इस परियोजना पर 49.06 लाख रूपये खर्च हुए।

विश्व बैंक परियोजना

वर्ष 1996-97 के दौरान भामा ब्यूरो प्रोत्साहन प्रयासों को समर्थ बनाने, भामा ब्यूरो की प्रशिक्षण गतिविधियों और मानक सूचना केन्द्र को और अधिक समर्थ बनाने

Plan Projects

The infrastructural facilities of BIS, which are capital intensive in nature are built through finances provided by the government. BIS plan projects as approved under the 8th Five Year Plan (1992-97) envisaged an outlay of Rs. 150 million for augmenting the various plan projects. However, only Rs. 113 million were made available during 1992-97. Rs. 7.81 million were utilised on various plan projects during 1996-97. The progress achieved during this period is given below:

Laboratory Equipment

To modernise and upgrade the testing facilities various laboratories of BIS are equipped with latest instruments to bring them to international level to enable BIS laboratory test reports acceptable in global market. Under this project an amount of Rs. 2.022 million was spent during 1996-97.

Science & Technology

Explanatory hand book on IS 875 (Part 3) was completed and sent for printing. An amount of Rs. 0.814 million has been incurred on this project during 1996-97.

Central Enquiry Point

The Government of India has nominated BIS as the Central Enquiry Point under World Trade Organization (WTO), formerly General Agreement on Tariffs and Trade (GATT) Standards Code. In order to build a strong information system an amount of Rs. 0.178 million has been incurred on this project during 1996-97

Staff Housing

To resolve the acute shortage of housing for the benefit of transferable employees, BIS has been acquiring residential flats in headquarters, regional/branch offices. During 1996-97, BIS has initiated purchase of flats for Bhopal and Coimbatore offices and an expenditure of Rs. 4.906 million has been incurred under this project.

World Bank Projects

During 1996-97 an amount of Rs. 0.28 million were utilised on projects on strengthening BIS promotional efforts,

की परियोजनाओं के अन्तर्गत 2.8 लाख रूपये का उपयोग किया गया।

भविष्य की योजना

प्रयोगशाला उपस्कर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और कर्मचारियों के लिए आवास की व्यवस्था की परियोजनाएँ जारी हैं। वर्ष 1997-98 की अवधि के दौरान भी ये परियोजनाएँ, जारी रहेगीं। वर्ष 1997-98 के दौरान तीन नई परियोजनाएँ, गुवाहाटी तथा जम्मू में प्रयोगशाला सह कार्यालय भवन और कंम्यूटरीकृत इंटरएक्टिव सूचना प्रबंधन पद्धति, प्रारंभ की जाएँगी।

strengthening BIS training activity and standards information centres.

Future Plan

Projects on laboratory equipment, science and technology and staff housing are ongoing projects and will be continued in 1997-98. Three new projects, namely, laboratory cum office buildings at Guwahati and Jammu and computerised interactive information management system will be undertaken during 1997-98.

मानक
STANDARDS

मानक निर्धारण

मानक निर्धारण गतिविधि का जायजा लेने के लिए वर्ष के दौरान सिविल इंजीनियरी इलेक्ट्रानिकी एवं दूरसंचार, विद्युत तकनीकी, खाद्य एवं कृषि, भारी यांत्रिक इंजीनियरी, हल्की यांत्रिक इंजीनियरी, धातुकर्मीय इंजीनियरी, पैट्रोरसायन, उत्पादन इंजीनियरी, वस्त्रादि एवं परिवहन इंजीनियरी की विभाग परिषदों की बैठकें हुई। मानकों के मसौदों तथा सम्बद्ध तकनीकी दस्तावेजों पर विस्तार से विचार करने के लिए 143 विषय समितियों की बैठकें भी की गईं।

1996-97 के दौरान भामा ब्यूरो ने 324 मानकों (नए तथा पुनरीक्षित) का निर्धारण किया। इस तरह 31 मार्च 1997 को अस्तित्व में आए मानकों की कुल संख्या 16 946 थी (*देखें* आकृति 1)।

वर्ष के दौरान, तीन द्विभाषी मानक (अंग्रेजी और हिन्दी), जो कि मसालों तथा गहराई से पानी निकालने के हथबरमे से सम्बन्धित हैं, भामा ब्यूरो द्वारा प्रकाशित किये गए।

मानकों का पुनरीक्षण एवं उनको अद्यतन बनाना

मानकों की पुनरीक्षा आवश्यकता होने पर लेकिन पाँच वर्ष में एक बार निश्चित रुप से की जाती है। वर्ष के दौरान पुनरीक्षा के बाद 122 मानक पुनःनिरीक्षण हेतु लिए गए, 97 वापिस लिए गए तथा 3 075 पुनर्पुष्ट किए गए। इनके अलावा वर्तमान मानकों में 204 संशोधन जारी किए गए।

सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.)

राष्ट्रीय मानकीकरण के लिए यह निरंतर चालू रहने वाली गतिविधि है और वर्ष 1996-97 के दौरान भी

Standards Formulation

To take stock of standards formulation activity, Division Councils of Civil Engineering, Electronics and Telecommunications, Electrotechnical, Food and Agriculture, Heavy Mechanical Engineering, Light Mechanical Engineering, Metallurgical Engineering, Petrochemicals, Production Engineering, Textiles and Transport Engineering met during the year. The meetings of 143 Sectional Committees were also held to consider drafts of standards and related technical documents in detail.

During 1996-97, BIS formulated 324 (new and revised) standards, bringing the total number of standards in force to 16 946 as on 31 March 1997 (*see* Fig. 1).

During the year, three bilingual standards (English and Hindi) relating to spices and deepwell handpumps were published by BIS.

Review and Updating of Standards

Standards are reviewed as considered necessary, but at least once in five years. After review, 122 standards were taken up for revision, 97 withdrawn and 3 075 re-affirmed during the year. In addition, 204 amendments were issued to the existing standards.

Information Technology (IT)

IT is an on-going activity and continued to receive thrust during the year

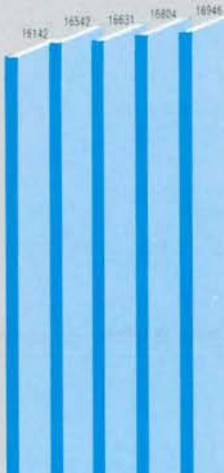

आकृति 1 लागू मानक (31 मार्च को)
Fig. 1 Standards in Force (as on 31 March)

इसे बढ़ावा मिलता रहा। 1995-56 के दौरान आई.टी. गतिविधियों के पूर्ण रूप से पुनः व्यवस्थीकरण के फलस्वरूप पुर्नसंगठित पाँच आई.टी. समितियों ने अपने अपने क्षेत्र में काम शुरू कर दिया है। ये समितियाँ कम्प्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, कम्प्यूटर दूरसंचार, सूचना सुरक्षा पद्धति तथा दूरसंचार उपस्कर जैसे क्षेत्रों में कार्य करेंगी।

अब तक, कम्प्यूटर हार्डवेयर के क्षेत्र का कार्य हाथ में नहीं लिया गया क्योंकि ये उपस्कर कस्टम बिल्ट होते हैं। तथापि, अब ऐसे उपकरणों की गुणता, विश्वसनीयता तथा निरापदता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऐसे उपकरणों के मानकीकरण की आवश्यकता महसूस की गई। इसीलिए पर्सनल कम्प्यूटर तथा सहायक उपस्करों जैसे डॉट मैट्रिक्स प्रिन्टर, कम्प्यूटर मॉनीटर, की-बोर्ड, फ्लॉपी डिस्क ड्राइव, हार्ड डिस्क ड्राइव तथा स्विच मोड पावर सप्लाई (एस.एम.पी.एस.) पर कार्य आरंभ किया गया है। कम्प्यूटर मॉनीटर (श्वेत श्याम), कम्प्यूटर की-बोर्ड तथा डॉट मैट्रिक्स प्रिन्टर कवर करने वाले 3 दस्तावेजों को अंतिम रूप दिया गया तथा प्रकाशन के लिए भेजा गया है।

सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में कम्पयूटर प्रोग्रामिंग लैंग्वेज (पास्कल) के लिए दस्तावेज प्रकाशन के लिए भेजे गए।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परियोजनाएँ

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राष्ट्रीय समिति (एन.सी.एस.टी.) की सिफारिश पर भामा ब्यूरो को सौंपी गई दो परियोजनाएँ वर्ष के दौरान जारी रहीं। अभी तक दो परियोजनाओं (बी-7 एवं बी-8) के तहत 16 हैंडबुक छापी जा चुकी हैं, 11 हैंडबुक तैयार किए जाने के विभिन्न चरणों में है तथा दो और विषयों की पहचान की गई है (11 विषयों को निम्न प्राथमिकता दी गई है)।

वर्ष के दौरान आई.एस. 875 (भाग 3), कोड ऑफ प्रेक्टिस फॉर डिजाइन लोड्स (भूकम्प के अलावा) फॉर बिल्डिंग एंड स्ट्रक्चर : भाग 3 विन्ड लोड्स *(दूसरा पुनरीक्षण)*, पर एक्सप्लेनेटरी हैंडबुक मुद्रण के लिए भेजी गई। बिल्डिंग कन्सट्रक्शन प्रैक्टिसेज पर हैंडबुक छपाई की अंतिम स्थिति में है।

पर्यावरण प्रबन्धन

भामा ब्यूरो ने पर्यावरण प्रबंध प्रणाली से संबंधित आई.एस.ओ. मानकों को अपनाया तथा निम्नलिखित भारतीय मानक दोहरे संख्या क्रम के अंतर्गत प्रकाशित किए:

भामा/आई.एस.ओ. 14001 : 1996 पर्यावरण प्रबंध पद्धति - विशिष्टि प्रयोग हेतु मार्गदर्शन सहित

1996-97 for national standardization. The five IT committees reorganized, as a result of re-orientation of entire IT activities during 1995-96, initiated work in their respective areas. These committees deal with areas like computer hardware, software, computer communication, information system security and telecommunication equipment.

Hitherto, work was not taken up in the area of computer hardware equipments because of these equipments having been custom-built. However, now need was felt for standardization of essential parameters for such equipments for the purpose of ensuring quality, reliability and safety of such equipments. Work has, therefore, been initiated on personal computers and peripherals such as dot matrix printer, computer monitor, keyboard, floppy disc drive, hard disc drive and switch mode power supply (SMPS). A total of 3 documents covering computer monitor (B&W), computer keyboard and dot matrix printer were finalized and processed for printing.

In the area of software, document for computer programming language (pascal) was sent for printing.

Science and Technology Projects

The work on two projects assigned to BIS on the recommendations of National Committee for Science and Technology (NCST) was continued during the year. So far 16 handbooks have been printed under the two projects (B-7 and B-8), 11 Handbooks are at various stages of preparation and 2 subjects have further been identified (11 subjects have been given low priority).

During the year the Explanatory Handbook on IS 875 (Part 3), Code of practice for design loads (other than earthquake) for building and structures: Part 3 Wind loads *(second revision)*, was sent for printing. Handbook on Building Construction Practices, is in advanced stage of printing.

Environment Management

BIS adopted the ISO Standards pertaining to environmental management systems and published the following Indian Standards under the dual number series:

IS/ISO 14001 : 1996 Environmental management systems – Specification

भामा/आई.एस.ओ. **14004 : 1996** पर्यावरण प्रबंध पद्धति - सिद्धांत, पद्धति एवं सहायक तकनीकों पर सामान्य मार्ग निर्देश

भामा/आई.एस.ओ. **14010 : 1996** पर्यावरण ऑडीटिंग हेतु मार्ग निंदेश - सामान्य सिद्धांत

भामा/आई.एस.ओ. **14011 : 1996** पर्यावरण ऑडीटिंग हेतु मार्ग निर्देश - ऑडिट प्रक्रिया - पर्यावरण प्रबंध पद्धति की ऑडीटिंग

भामा/आई.एस.ओ. **14012 : 1996** पर्यावरण ऑडीटिंग हेतु मार्ग निंदेश - पर्यावरण ऑडीटर्स के लिए योग्यता मापदन्ड

प्रकाशित किए गए मानक सामान्य हैं और ये सार्वजनिक एवं निजी दोनों ही क्षेत्रों के उत्पादन एवं सेवा संगठनों में लागू हो सकते हैं। इनमें निर्देश दिया गया है कि संगठन गतिविधि के कारण पर्यावरण पर होने वाले प्रभाव को व्यवस्थित करने के लिए उस संगठन द्वारा क्या किया जाना चाहिए लेकिन इनमें किए जाने के तरीके का आदेश नहीं है । पर्यावरण प्रबंध पर ये मानक संगठन को प्रभावी पर्यावरण प्रबंध पद्विति के तरीके बतलाते हैं जो पर्यावरण तथा आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संगठनों की सहायता करने के उद्देश्य से अन्य प्रबंधन आवश्यकताओं के साथ भी एकीकृत किए जा सकते हैं।

मानक संवर्धन

भारतीय मानकों की शैक्षिक उपयोगिता (ई.यू.एस.)

अध्यापकों तथा तकनीकी संस्थाओं के वरिष्ठ छात्रों में मानकीकरण के संदेश का प्रचार करने के लिए, **1996-97** के दौरान, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, हारकोर्ट बटलर प्रौद्योगिकी संस्थान (एच.बी.टी.आई.) कानपुर, इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.ई.टी.) लखनऊ, के.ई.सी. कोचीन, एल.डी. इंजीनियरिंग कालेज, अहमदाबाद तथा बंगाल इंजीनियरिंग कालेज, हावड़ा में भारतीय मानकों की शैक्षिक उपयोगिता पर कार्यशालाएँ आयोजित की गई।

जागरूकता कार्यक्रम

लघु उद्योग क्षेत्रों में मानकीकरण और गुणता पद्धति की अवधारणा के प्रचार के लिए वर्ष के दौरान कोचीन, फरीदाबाद, मंगलौर तथा नासिक में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

राज्य स्तरीय समितियाँ (एस.एल.सी.)

देश भर में मानकीकरण एवं गुणता पद्धति का संदेश प्रसारित करने के लिए 25 राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में मानकीकरण और गुणता पद्धति पर राज्य स्तरीय

with guidance for use

IS/ISO 14004 : 1996 Environmental management systems – General guidelines on principles, systems and supporting techniques

IS/ISO 14010 : 1996 Guidelines for environmental auditing – General principles

IS/ISO 14011 : 1996 Guidelines for environmental auditing – Audit procedures – Auditing of environmental management systems

IS/ISO 14012 : 1996 Guidelines for environmental auditing – Qualification criteria for environmental auditors.

Standards published are generic, that is, applicable to both manufacturing and service organizations, in public and private sectors. They say what should be done by an organization to manage the impact on the environment due to its activity but do not dictate how to do it. These Standards covering Environmental Management are intended to provide organization with the elements of an effective environmental management system which can be integrated with other management requirements to assist organizations to achieve environmental and economic goals.

Standards Promotion

Educational Utilization of Indian Standards (EUS)

In order to propagate the message of standardization to faculty members and senior students of technical institutions, during 1996-97, workshops on educational utilization of Indian Standards were organized for Aligarh Muslim University, Harcourt Butler Technological Institute (HBTI), Kanpur, Institute of Engineering & Technology (IET), Lucknow, KEC, Cochin, LD College of Engineering, Ahmedabad and Bengal Engineering College, Howrah.

Awareness Programmes

In order to propagate the concept of standardization and quality systems among small scale industries, programmes were organized at Cochin, Faridabad, Mangalore and Nasik during the year.

State Level Committees (SLCs)

To propagate the message of standardization and quality systems all over the country, the State Level

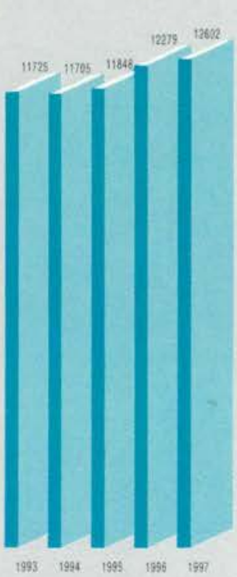

आकृति 3 31 मार्च को लागू लाइसेंसों की संख्या
Fig.3 Number of Operative Licences as on 31 March

सीमेंट कंक्रीट टाईल्स हैं।

योजना प्रारम्भ होने से अब तक जिन मानकों के अनुरूप उत्पाद प्रमाणित किये गये हैं, की कुल संख्या बढ़कर **1 473** तक पहुँच गयी है । पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष प्रमाणन मुहरांकन की आय में **9** प्रतिशत वृद्धि हुई जिससे यह आय **3993.4** लाख रूपये हो गई।

31 मार्च **1997** को प्रचालित कुल लाइसेंसों की संख्या **12602** तक पहुँच गयी है (*देखें* आकृति **3**)।

प्रमाणन प्रचालन में वृद्धि को देखते हुए, मुख्यतया पश्चिमी क्षेत्र में, पुणे और नागपुर निरीक्षण कार्यालयों का दर्जा **16** जनवरी **1997** से बढ़ाकर शाखा कार्यालय कर दिया गया है।

उत्पाद प्रमाणन योजना के अन्तर्गत प्रचालित लाईसेंसों/आवेदकों का मूल्यांकन

वर्ष के दौरान आवेदकों की ओद्यौगिक यूनिटों में विद्यमान गुणता नियन्त्रण पद्वति और साज सामान के निर्धारण हेतु **2 125** प्रारंभिक निरीक्षण किये गए। प्रमाणन चिन्ह योजना की मॉनीटरिंग करने के लिए **13 900** आवधिक निरीक्षण और **25 416** विविध प्रकार के निरीक्षण भी किये गए जिनमें उत्पाद की नयी किस्मों का समावेश, चिन्हांकन का पुनः आरंभ तथा अन्य कई निरीक्षण शामिल हैं।

वर्ष के दौरान **13 931** फैक्ट्री नमूने और **10 883** नमूने बाजार से लिए गए।

भामा ब्यूरो प्रमाणन योजना का अन्तर्राष्ट्रीयकरण

पहली बार एक विदेशी उत्पादक मैसर्स भूटान बोर्ड प्राडक्ट लि०, ताला, भूटान ने भामा ब्यूरो प्रमाणन लाईसेंस के लिए दो आवेदन पत्र भेजे हैं। आवेदनों को रिकार्ड किया गया और भूटान सरकार के साथ समझौते के ज्ञापन को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

प्रमाणन प्रचालन का पुनरीक्षण

वर्ष के दौरान भामा ब्यूरो प्रमाणन योजना के प्रचालन को सुचारू बनाने के लिए फीड बैक प्राप्त करने हेतु सीमेंट, मृदु इस्पात ट्यूब, वायरिंग साधन, एच.डी.पी.ई. और यू.पी.वी.सी. पाईप फिटिंग, पेन्टस और अग्नि शामक उपकरण इत्यादि के उत्पाद लाइसेंसधारियों के साथ **21** पुनरीक्षण बैठकें आयोजित की गईं।

प्रवर्तन सक्रियता

वर्ष के दौरान भामा ब्यूरो द्वारा मानक चिन्ह के दुरूपयोग की जाँच को प्रभावी बनाने का कार्य जारी रहा। वर्ष के दौरान सीमेंट, मृदु इस्पात ट्यूब, जी.एल.एस. लैम्पों जैसे उत्पाद और अन्य उपभोक्ता

starters, sweetened partly skimmed milk powder, and chequered cement concrete tiles.

The total number of Indian Standards against which products have been certified since inception of scheme rose to 1 473. Income from certification marked a 9 percent rise over the previous year to close at Rs. 399.34 million.

The total number of operative licences as on 31 March 1997 stood at 12 602 (*see* Fig. 3).

With the growth of certification operations, particularly in the western sector, the inspection offices functioning at Pune and Nagpur were upgraded to full fledged Branch Offices with effect from 16 January 1997.

Assessment of Operative Licences/ Applicants under Product Certification Scheme

During the year, 2 125 preliminary inspections were carried out to assess the applicant units for their infrastructure and quality control systems. 13 900 periodic inspections were carried out for monitoring the operation of Certification Marks Scheme and 25 416 miscellaneous type of inspections were also conducted to cover inclusion of new varieties, resumption of markings, lot inspections, etc.
During the year, 13 931 factory samples and 10 883 market samples were drawn.

Internationalization of BIS Certification Scheme

For the first time, two applications seeking grant of BIS certification licences were received from a foreign manufacturer M/s. Bhutan Board Products Ltd, Tala, Bhutan. The applications were recorded and efforts were underway for finalizing the Memorandum of Understanding with the Royal Government of Bhutan.

Review of Certification Operation

In order to acquire feed back into the operation of the BIS Certification Scheme, 21 review meetings with licensees in the product areas of cement, mild steel tubes, wiring accessories, HDPE & UPVC pipe fittings, paints and fire fighting equipment, etc, were organized during the year.

Enforcement Activities

The job of effectively checking misuse of BIS Standard Mark continued during the year. As many as 27 raids were carried out during the year on units misusing BIS Standard Mark on products like cement,

उत्पादों पर भामा ब्यूरो प्रमाणन चिन्ह के दुरूपयोग को रोकने के लिए 27 छापे मारे गये। वर्ष के दौरान भामा ब्यूरो अधिनियम के अनुच्छेद 33 के अन्तर्गत मानक चिन्ह के दुरूपयोग के लिए विभिन्न न्यायालयों में 10 मामले कानूनी अभियोजन में दर्ज किये गये। दो मामलों में सी.आई. पाईप फिटिंग और स्टैम्प पैड स्याही पर मानक चिन्ह के दुरूपयोग में आरोपी को न्यायालय ने दोषी करार दिया। सी.आई. पाईप फिटिंग में मानक चिन्ह दुरूपयोग के मामले में पाँच उत्पाद भागीदारों पर 25 000 रूपये प्रति भागीदार दण्ड लगाया गया जो कुल 1.25 लाख रूपये है और यदि दण्ड जमा नहीं कराया गया तो उन्हें छः माह की साधारण कैद की सजा दी जाएगी।

प्रवर्तन पर स्थायी समिति

4 मार्च 1997 को नई दिल्ली में प्रवर्तन पर स्थायी समिति की चौथी बैठक का आयोजन किया गया। समिति ने प्रत्येक राज्य में एक अलग प्रवर्तन उपसमिति बनाने की, गुणता नियन्त्रण आदेशों पर उपयुक्त प्राधिकार का प्रस्ताव, भामा ब्यूरो को भामा ब्यूरो अधिनियम के उल्लघंन की जाँच के लिए अधिक शक्तियाँ देने और उपभोक्ता संगठनों के माध्यम से प्रवर्तन क्रियाकलापों से संबंधित सूचना के प्रचार-प्रसार हेतु सिफारिश की। कर्नाटक राज्य की आठवीं राज्य स्तरीय समन्वय समिति की 30 जनवरी 1997 को आयोजित बैठक में प्रवर्तन सक्रियता के लिए एक अलग उपसमिति बनायी गयी।

जागरूकता

व्यापारियों और उपभोक्ताओं को उनके पास जाकर शिक्षित कराने के उद्देश्य से भामा ब्यूरो ने देश के बड़े-बड़े बाजारों में लगभग पचास प्रवर्तन प्रचार शिविरों का आयोजन किया। मृदु इस्पात टयूबों के गुणता नियंत्रण आदेश के कार्यान्वयन के लिए विशेष प्रवर्तन अभियान संचालित किए गए।

गुणता पद्धति प्रमाणन

वर्ष के दौरान 74 गुणता पद्धति प्रमाणन लाइसेंस मंजूर किए गए। इनमें 71 लाइसेंस आई.एस./आई.एस.ओ. 9002 : 1994 के अनुसार और 3 लाइसेंस आई.एस./आई.एस.ओ. 9001 : 1994 के अनुसार थे जो रसायन, वस्त्रादि, सीमेंट, बिजली, औषधीय, बैंकिंग, गोला बारूद, ऑटोमोबाइल पार्टस, डिब्बा बंद भोजन/पेय, मुद्रण, दूरसंचार, लकड़ी उत्पाद, पेपर, स्वास्थ्य, निर्माण इत्यादि क्षेत्रों से संबंधित थे। वर्ष के दौरान पहली बार भामा ब्यूरो ने शल्य उपकरण, मुद्रण, स्वास्थ्य और भवन निर्माण क्षेत्रों के लिए गुणता पद्धति प्रमाण पत्र मंजूर किये। 31 मार्च 1997 को गुणता पद्धति प्रमाणन लाइसेंसो की कुल संख्या 285 तक पहुंच गयी (*देखें* आकृति 4)।

mild steel tubes, GLS lamps and other consumer products. During the year 10 cases for legal prosecution were filed in various courts under Section 33 of BIS Act for misuse of Standard Mark. In two cases, the courts convicted the accused for misuse of BIS Standad Mark on Cast Iron Pipe Fittings and stamp pad ink respectively. The fine imposed in the CI pipe fitings misuse case as above was Rs. 25 000 each on 5 partners aggregating to Rs. 1.25 lakhs and in default simple imprisonment of six months.

Standing Committee on Enforcement

The Fourth meeting of the Standing Committee on Enforcement was held at New Delhi on 4 March 1997. The committee recommended setting up of separate enforcement subcommittees in each state, provision of 'Appropriate Authority' in Quality Control Orders, more powers to BIS to check violation of BIS Act and dissemination of information relating to enforcement activities through consumer organizations. During the eighth State Level Coordination Committee of Karnataka State held on 30 January 1997, a separate subcommittee for enforcement activities was formed.

Awareness

In order to educate traders and consumers at their doorsteps, BIS organized over 50 enforcement drives in major markets of the country. Special enforcement drives were conducted for implementing Mild Steel Tubes Quality Control Order.

Quality Systems Certification

During the year 74 quality systems certification licences were granted. Of these 71 were as per IS/ISO 9002 : 1994 and 3 as per IS/ISO 9001 : 1994 covering industrial sectors, such as chemicals, textiles, cement, electricals, pharmaceuticals, banking, ammunition, automobile parts, packed food/drinks, printing, telecommunications, wood products, paper, health, construction, etc. During the year, for the first time surgical devices, printing, health and construction sectors have been granted quality systems certificates by BIS. The total number of Quality Systems Certification licences as on 31 March 1997 stood at 285 (*see* Fig. 4).

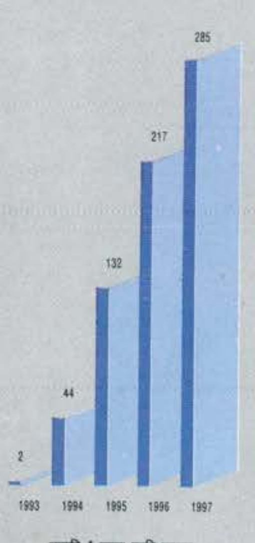

आकृति 4 गुणता पद्धति प्रमाणन लाइसेंसो की संख्या (31 मार्च को)

Fig. 4 Number of Quality System Certification Licences (as on 31 March)

भामा ब्यूरो की गुणता पद्धति प्रमाणन योजना का प्रत्यायन

भामा ब्यूरो की गुणता पद्धति प्रमाणन योजना को राड वूर डी एक्रिडिटेटी (आर.वी.ए.), नीदरलैंड द्वारा प्रत्यायित किया गया है। वर्ष के दौरान आर.वी.ए. ने एक निगरानी ऑडिट किया और गुणता पद्धति प्रमाण के प्रचालन को संतोषजनक पाया।

Accreditation of BIS QSCS

BIS Quality Systems Certification Scheme (QSCS) has been accredited by Raad voor Accreditatie (RvA), Netherlands. During the year, RvA carried out one surveillance audit and found the operation of Quality Systems Certification Scheme to their satisfaction.

प्रशिक्षण

वर्ष के दौरान नई दिल्ली में गुणता पद्धति से संबंधित ऑडिटकर्त्ताओं के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिससे उनके ज्ञान एवं निपुणता में वृद्धि हुई।

Training

A training programme was organized for auditors during the year in New Delhi which helped in developing the knowledge and skills of the auditing personnel.

पूर्व प्रमाणन सेवाएँ

वर्ष के दौरान छः संगठनों में गुणता प्रबंधन पद्धति हेतु प्रायोगिक मूल्यांकन आयोजित किये गए। ये संगठन गुणता प्रबंधन पद्धति के कार्यान्वयन की प्रक्रिया में हैं।

Pre-certification Services

During the year, trial assessments of Quality Management Systems were conducted at six organizations which are in the process of implementing Quality Management Systems.

गुणता पद्धति प्रमाणन योजना समिति की बैठक

गुणता पद्धति प्रमाणन योजना के प्रचालन से संबंधित नीतिगत मामलों के निर्धारण, प्रचालन की पुनरीक्षा और नीतियों के कार्यान्वयन तथा वित्तीय क्रियाकलापों के

QSCS Committee Meeting

BIS QSCS Committee which is responsible for formulation of policy matters relating to the operation of Quality Systems Certification Scheme, reviewing the operation and implementing its policies and reviewing the financial affairs, held its fifth meeting under the Chairmanship of Director General, BIS on 1 November 1996.

सूचना सेवाएँ

INFORMATION SERVICES

पूछताछ सेवा

भामा ब्यूरो ने व्यापार में तकनीकी अवरोध पर गैट समझौते के अन्तर्गत डब्ल्यू.टी.ओ. – गैट पूछताछ केन्द्र और आइसोनेट (आई.एस.ओ. नेटवर्क) सदस्य के रूप में उद्योग, सरकारी अभिकरणों, व्यक्तियों आदि को अपनी सेवाएँ देनी जारी रखी।

Enquiry Service

BIS continued to provide its services as WTO-GATT enquiry point under the GATT Agreement on technical barriers to trade and as ISONET (ISO Information Network) member to the industry, government agencies, individuals, etc.

सूचना बुलेटिन

उपयोगकर्ताओं को मानकीकरण और गुणता पद्धति के बारे में अद्यतन सूचना उपलब्ध कराने के लिए भामा ब्यूरो निम्नलिखित सूचना बुलेटिनों का नियमित रूप से प्रकाशन करता है : (i) स्टैंडर्डस् इंडिया (मासिक, अंग्रेजी पत्रिका), (ii) स्टैंडर्डस् वर्ल्डओवर – मन्थली एडीशन (iii) करेंट पब्लिशड इन्फोरमेशन ऑन स्टैंडर्डाईज़ेशन, (मासिक), (iv) ई.सी. नोर्म स्कैन (ई.सी. – मानकीकरण न्यूज) (त्रैमासिक), (v) स्टैंडर्डस् : मंथली एडीशन्स (vi) बी.आई.एस. हैंडबुक, (vii) मानकदूत (त्रैमासिक हिन्दी पत्रिका), और (viii) एडीशन्स टू लायब्रेरी बुक्स

Information Bulletins

To keep the users abreast with the latest development in standardization and quality systems, following information bulletins are brought out by BIS regularly: (i) Standards India (monthly, English journal), (ii) Standards Worldover – Monthly Additions, (iii) Current published information on Standardization (monthly), (iv) E.C. Norm Scan (Standardization News of E.C.) (quarterly), (v) Standards :

एंड पेम्फलेटस।

Monthly Additions, (vi) BIS Handbook, (vii) Manakdoot (Quarterly Hindi journal), and (viii) Additions to Library Books and Pamphlets.

डाटाबेस सेवाएँ

भामा ब्यूरो ने बॉयर्स गाइड, मानकों की संदर्भ पुस्तिकाओं पर डाटाबेस सेवाएँ उद्योग निर्यातकों तथा मानक निर्धारण कार्य में लगे व्यक्तियों, को देनी जारी रखीं।

बायर्स गाइड – बायर्स गाइड भामा ब्यूरो प्रमाणन मुहर योजना के अन्तर्गत शामिल उत्पादों का डाटाबेस है। इसमें लाईसेंसधारी का नाम, पता, आईएससंख्या, लाईसेंस संख्या वैद्यता सहित, फर्म की स्थिति आदि शामिल है।

संदर्भ सेवा – 1980 से भामा ब्यूरो 'मानकसंदर्भिका' नामक विश्व मानकों का डाटाबेस उपलब्ध करा रहा है। इस सूचना सेवा में विश्व में विद्यमान मानकों की सूचना दी जाती है।

Database Services

BIS continued to provide database on Buyers' Guide, bibliography of standards to the industry, exporters and to those engaged in standards formulation.

Buyers' Guide - Buyers' Guide is a database of products covered under Certification Marks Scheme of BIS and includes name, address of the licensee, IS No., Licence No. with its validity, status of the firm, etc.

Bibliographic Service - BIS has been maintaining, since 1980, a database of World Standards entitled 'Manaksandarbhika'. This information service is intended to provide information on existing standards worldwide.

पुस्तकालय सेवाएँ

वर्ष के दौरान मुख्यालय और चार क्षेत्रीय कार्यालयों मुम्बई, कलक्ता, चंडीगढ़, चेन्नई के पुस्तकालयों में 13 500 पुस्तकों, मानकों आदि की वृद्धि की गई।

1 270 व्यक्ति और संगठन पुस्तकालय के विभिन्न वर्गों के सदस्य हैं। इनमें से 130 सदस्य इस वर्ष बने। व्यापार और उद्योग के प्रतिनिधियों और भामा ब्यूरो के अधिकारियों और स्टाफ के लिए लगभग 50 000 प्रकाशन/मानक उन्हें पढ़ने के लिए दिये गये अथवा उनके नाम जारी किये गए।

7 हजार आगन्तुकों को संदर्भ सूचनाएँ उपलब्ध करायी गयीं जिसमें 21 व्यापक विषय संदर्भ-सूची बनाने, उनकी आवश्यकता के अनुरूप संदर्भ सामग्री उपलब्ध कराने और 3 100 जिज्ञासा प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी सहायता की गई।

Library Services

During the year, library at headquarters and at the four regional offices at Mumbai, Calcutta, Chandigarh, Chennai added to its collection 13 500 books, standards, etc.

The Library has 1 270 individuals and organizations as current members in various categories. Out of this 130 members have joined during this year. About 50 000 publications/standards were consulted or issued to the representatives of trade and industry as well as officers and staff of BIS.

Reference services were provided to 7 000 visitors by way of preparing 21 exhaustive subject bibliographies, making available the reference materials of their choice and by answering 3 100 querries received from them.

प्रयोगशाला सेवाएँ
LABORATORY SERVICES

भामा ब्यूरो ने देश मे फैली अपनी आठ प्रयोगशालाओं के नेटवर्क के माध्यम से सम्बद्ध भारतीय मानकों के प्रति प्रमाणित उत्पादों की अनुरुपता की जाँच के लिए परीक्षण गतिविधियाँ तथा परीक्षण सेवाएँ जारी रखी। वर्ष के दौरान विभिन्न प्रकार के व्यापक उत्पादों के लिए 27 863 परीक्षण रिपोर्टें भामा ब्यूरो प्रयोगशालाओं द्वारा जारी की गई। परीक्षण मूल्य 273.1 लाख रुपये रहा।

The network of eight BIS laboratories spread throughout the country continued to provide testing services and test related activities to undertake conformity testing of BIS certified products against relevant Indian Standards. During the year 27 863 test reports were issued by BIS laboratories covering a wide range of products, the test value being Rs. 27.31 million.

गुणता आश्वासन गतिविधियाँ

केन्द्रीय प्रयोगशाला, साहिबाबाद ने राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशशोधन प्रत्यायन परिषद (एन.ए.बी.एल.) से अभियांत्रिकी (परीक्षण एवं अंशशोधन दोनों) एवं जैविकी क्षेत्र में परीक्षण प्रत्यायन प्राप्त किया और रासायनिक परीक्षण, विद्युत परीक्षण एवं विद्युत अंशशोधन क्षेत्र में प्रत्यायन के लिए संस्तुति की गई है। पश्चिम क्षेत्रीय प्रयोगशाला का भी एन.ए.बी.एल. द्वारा मूल्यांकन किया गया और रासायनिक, अभियांत्रिकी एवं विद्युत क्षेत्र में प्रत्यायन की संस्तुति की गई है।

Quality Assurance Activities

The Central Laboratory, Sahibabad received accreditation in the field of Mechanical (both testing and calibration) and Biological testing from National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories (NABL) and has been Recommended for accreditation in the field of Chemical testing, Electrical testing and Electrical calibration. The Western Region Laboratory has also been assessed by NABL and recommended for accreditation in the fields of Chemical, Mechanical and Electrical disciplines.

प्रयोगशाला सलाहकार समिति

भामा ब्यूरो की प्रयोगशालाओं के कार्य निष्पादन/ गतिविधियों की पुनरीक्षा करने के लिए दिनांक 27 फरवरी 1997 को नई दिल्ली में इस समिति की बैठक हुई । बैठक में भामा ब्यूरो द्वारा उद्योगों, सरकारी विभागों, उपभोक्ता संगठनों इत्यादि के लिए चरण बद्ध ढंग से परीक्षण सुविधाएँ उपलब्ध कराने का नीतिगत निर्णय लिया गया।

Laboratory Advisory Committee

The Committee met on 27 February 1997 at New Delhi and reviewed the performance/activities of BIS laboratories. Among the various policy decisions taken was opening up of BIS testing facilities to the industries, government departments, consumer organizations, etc, in a phased manner.

परीक्षण सुविधाओं का आधुनिकीकरण एवं उन्नयन

वर्ष के दौरान मोहाली स्थित प्रयोगशाला में छिडकाव सिंचाई पद्वति के लिए पॉलीथिलीन पाईपों, निमज्जन जल तापक, और तापन अवयवों की परीक्षण सुविधाएँ जुटाई गयीं। केन्द्रीय प्रयोगशाला, साहिबाबाद में रोड मार्किंग रोगन के लिए निघर्षण परीक्षण के प्रति टिकाऊपन और प्रतिरोधिता परीक्षण की सुविधा विकसित की गयी। बंगलौर प्रयोगशाला ने जी.एल.एस. लैम्पों के नमूनों के परीक्षण के लिए मानक जी.एल.एस लैम्पों को खरीदा।

मोहाली प्रयोगशाला के लिए विद्युत आपूर्ति 66 केवीए से 300 केवीए तक बढ़ायी गयी और चेन्नई प्रयोगशाला में एक 7.5 केवीए की यू.पी.एस. प्रणाली स्थापित की गयी। आई.ई.सी.ई.ई. – सी.बी. पद्धति के अनुसार परीक्षण सुविधा के उन्नयन के लिए चेन्नई प्रयोगशाला ने विद्युत ओवन, ऑक्सीजन/एयर बम परीक्षण उपकरण और ट्रैकिंग परीक्षण उपकरण प्राप्त किये।

Modernization and Upgradation of Test Facilities

During the year testing facilities for Polyethylene Pipes for Sprinkler Irrigation System, Immersion Water Heaters and Heating Elements were created in Mohali laboratory. Testing facilities for durability and resistance to wear test were developed for Road Marking Paints in Central Laboratory, Sahibabad. Bangalore laboratory procured Standard GLS Lamps for testing samples of GLS Lamps.

Electrical power supply for Mohali laboratory was augmented form 66 kVA to 300 kVA and one 7.5 kVA UPS system installed in Chennai laboratory. For upgrading the test facilities as per IECEE-CB Scheme Chennai laboratory procured electric oven, oxygen/air bomb test apparatus and tracking test apparatus.

दक्षता परीक्षण

भामा ब्यूरो ने दूध के पाऊडर में वसा अंश के परीक्षण हेतु आई.एस.ओ./आई.ई.सी. गाइड 43 के अनुरूप अपनी 5 प्रयोगशालाओं सहित 18 प्रयोगशालाओं के लिए दक्षता परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
एन.ए.बी.एल. द्वारा आयोजित दक्षता परीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत एशिया-पेसिफिक लैब एक्रेडिटेशन कोआपरेशन (ए.पी.एल.ए.सी.) द्वारा संचालित ए.एस.टी.एम.ए. 370-95 के अनुरुप धातु का तनन परीक्षण हेतु दक्षता परीक्षण कार्यक्रम में भामा ब्यूरो की केन्द्रीय प्रयोगशला

Proficiency Testing

BIS organised a proficiency testing programme for fat content in Milk Powder involving 18 laboratories, including 5 of its own in accordance with ISO/IEC Guide 43.
Mechanical testing section of BIS Central Laboratory participated in proficiency testing programme for tensile testing of metals as per ASTM A 370-95 conducted by Asia Pacific Lab Accreditation Co-operation (APLAC)

के यांत्रिक परीक्षण अनुभाग ने भाग लिया। एन.ए.बी.एल. द्वारा भेजी सूचना के अनुसार भामा ब्यूरो केन्द्रीय प्रयोगशाला की कार्यकारिता उच्च स्तर की पाई गई।

under the proficiency testing programme by NABL. The performance of BIS Central Lab was found to be of high order as per communication received from NABL.

अंशशोधन सुविधाएँ

वर्ष 1996-97 के दौरान केन्द्रीय प्रयोगशाला की अंशशोधन प्रयोगशालाओं (अभियांत्रिकी एवं विद्युत) ने एन.ए.बी.एल. प्रत्यायन प्राप्त करने में बहुत अच्छी प्रगति की। अंशशोधन प्रयोगशाला (अभियांत्रिकी) ने एन.ए.बी.एल. से लंबाई, द्रव्यमान, बल और दाब के पैरामीटरों के लिए पहले ही प्रत्यायन प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया है। अंशशोधन प्रयोगशाला (विद्युत) का एन.ए.बी.एल. द्वारा मार्च 1997 के दौरान डी.सी. वोल्टेज, डी.सी धारा, ए.सी. वोल्टेज, ए.सी. धारा और प्रतिरोधिका (निम्न एवं उच्च) पैरामीटरों के लिए मूल्यांकन किया गया और प्रत्यायन के लिए संस्तुति की गई। वर्ष के दौरान विभिन्न उद्योगों/संगठनों से प्राप्त 83 उपकरणों का अंशशोधन किया गया।

Calibration Facilities

During 1996-97, both the calibration laboratories (Mechanical and Electrical) of CL have taken a good leap forward in getting NABL accreditation. The calibration laboratory (Mechanical) has already received the NABL Certificate of Accreditation for the parameters of Length, Mass, Force and Pressure. The calibration laboratory(Electrical) has been assessed by NABL auditors during March 1997 for the parameters of DC Voltage, DC Current, AC Voltage, AC Current and Resistance (Low & High) and is recommended for accreditation. During the year 83 equipments received from various industries/organizations were calibrated.

वर्ष के दौरान उप मानक वजन 20 कि.ग्रा. तक निर्धारित करने और एक मीटर मानक लंबाई प्राप्त की गयी और वह राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला में अंशशोधन के अधीन है।

Secondary Standard Weights set up to 20 kg and Secondary one metre Standard Length have been procured during the year and are under calibration at National Physical Laboratory.

अंशशोधन प्रयोगशाला कर्मियों को पुनःश्चर्या प्रशिक्षण और अग्रिम प्रशिक्षण नियमित अन्तराल में दिया जाता है। उन्हें राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लेने का मौका देते हुए माप विद्या में अद्यतन जानकारी देते हुए प्रशिक्षण दिया जाता है।

The calibration laboratory personnel are given refresher training and advance training at regular intervals. They are also given exposure to the latest advancement in metrology by giving opportunity to attend the national and international level seminars.

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अधीन 'उपयुक्त प्रयोगशालाओं' का दर्जा देते हुए बाहरी प्रयोगशालाओं को मान्यता

राज्य सरकारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे किसी उपयुक्त प्रयोगशाला को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत मान्यता तभी दें जब आवेदक की प्रयोगशाला को भामा ब्यूरो द्वारा मूल्यांकन करके अनुकूल पाया गया हो। इस संबंध में एक विस्तृत मार्गदर्शिका तैयार की गयी है और संबद्ध मंत्रालय को भेजी गयी है।

Recognition of Outside Laboratories as Appropriate Laboratories under Consumer Protection Act, 1986

The state governments are required to recognize a laboratory as an appropriate laboratory under Consumer Protection Act, 1986 only after the applicant laboratory has been assessed and found suitable by the Bureau of Indian Standards. Detailed guidelines for this purpose have been prepared and forwarded to the concerned Ministry.

प्रयोगशाला सूचना प्रबंध

मॉनीटरिंग और सुगम प्रचालन के लिए भामा ब्यूरो की प्रयोगशालाओं में उपलब्ध परीक्षण सुविधायें विभिन्न भारतीय मानकों के अनुसार भामा ब्यूरो द्वारा नियत किए गए परीक्षण प्रभार और मान्यता प्राप्त बाहरी प्रयोगशालायें, उनके यहां उपलब्ध परीक्षण सुविधायें और उनके परीक्षण प्रभार आदि पर डाटा बेस को तैयार/अद्यतन किया गया।

Laboratory Information Management

To facilitate monitoring and ease in operation data bases were created/updated on testing facilities available in BIS laboratories, testing charges against various Indian Standards as fixed by BIS, and outside laboratories recognized by BIS, testing facilities and their testing charges.

प्रशिक्षण सेवाएँ
TRAINING SERVICES

प्रशिक्षण संस्थान

भामा ब्यूरो द्वारा स्थापित राष्ट्रीय मानकीकरण एंव गुणता प्रबन्धन संस्थान (एन.आई.टी.एस.क्यू.एम.) ने वर्ष 1996-97 के दौरान 27 ओपन और संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जो गुणता पद्धति आडिटिंग एवं प्रलेखन, आई.एस.ओ. 9000 जागरूकता, आई.एस.ओ. 9000 सांख्यिकी तकनीकें और लीड असेसर कोर्स आदि पर थे तथा उद्योग और सरकारी विभागों के लगभग 560 कार्मिकों को प्रशिक्षित किया।

Training Institute

The National Institute of Training for Standardization and Quality Management (NITSQM), set up by BIS, conducted around 27 open as well as in-house training programmes on quality system auditing and documentation, ISO 9000 awareness, statistical techniques for ISO 9000 and lead assessors course, etc, during 1996-97 and trained about 560 personnel from industry and government departments.

विदेशी व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण

विकासशील देशों के लिए 9 अक्तूबर से 6 दिसम्बर 1996 तक मानकीकरण और गुणता पद्धति पर उन्नतीसवां अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 25 देशों के 38 मानक इंजीनियरों ने भाग लिया।

Training to Overseas Participants

Twentyninth International Training Programme in Standardization and Quality Systems for developing countries was organized from 9 October to 6 December 1996. 38 Standards Engineers from 25 countries, attended the programme.

बाहरी संगठनों के लिए सामूहिक प्रशिक्षण

रेलवे स्टाफ कालेज, वड़ोदरा के अनुरोध पर 8 से 12 अप्रैल 1996 तक मानकीकरण पर 5 दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय रेलवे स्टोर सेवा के 8 प्रोबेशनरों के लिए आयोजित किया गया। कार्यक्रम रेलवे स्टाफ कालेज के परामर्श से बनाया गया।

Group Training for Outside Organizations

At the request of the Railway Staff College, Vadodara, a 5 days training programme in standardization for 8 probationers of Indian Railway Stores Services was organized from 8 to 12 April 1996. The programme schedule was designed in consultation with the Railway Staff College.

भामा ब्यूरो के लाईसेंसधारियों/आवेदकों और बाहरी प्रयोगशालाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 1996-97 के दौरान भामा ब्यूरो के लाईसेंसधारियों/आवेदकों के परीक्षण कार्मिकों के लिए घरेलू एलपीजी स्टोव, पैराफीन मोम, गीज़र, अग्निशामक उपस्कर और ताम्र मिश्रधातु के वाल्वों के परीक्षण के लिए केन्द्रीय और क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं में छः प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

Training Programmes for BIS Licensees/Applicants and Outside Laboratories.

For testing personnel of BIS licensees/applicants six training programmes were organized for testing of domestic LPG stoves, paraffin wax, gysers, fire fighting equipment and copper alloy valves in central and regional laboratories of BIS, during 1996-97

उपभोक्ता संबंधी गतिविधियाँ
CONSUMER RELATED ACTIVITIES

भामा ब्यूरो ने अपनी गतिविधियों के संबंध में उपभोक्ता जागरूकता को प्रोत्साहन देने के लिए उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए और अपने क्षेत्रीय

BIS promoted consumer awareness regarding BIS activities by conducting consumer awareness programmes and

तथा शाखा कार्यालयों के नेटवर्क के माध्यम से उपभोक्ता संगठनों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों और प्रदर्शनियों में भाग लिया।

by participation in seminars/workshops/ conferences and exhibitions organized by consumer organizations through its network of Regional and Branch Offices.

पुर्नगठित उपभोक्ता नीति सलाहकार समिति की पहली बैठक 19 मार्च 1997 को आयोजित की गई, जहाँ भारतीय मानकों के निर्धारण के लिए तकनीकी समितियों में उपभोक्ता संगठनों के भाग लेने वालों की वृद्धि की आवश्यकता पर बल देने हेतु विचार-विमर्श हुआ। उपभोक्ता कल्याण निधि और केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण परिषद् की बैठकों में भामा ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, यह देश में आम उपभोक्ता को संरक्षण प्रदान करने वाली एक शिखर संस्था है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भामा ब्यूरो कोपोलको के साथ सम्पर्क रखता है जो कि उपभोक्ता नीति पर आई.एस.ओ./आई.ई.सी. की परिषद् समिति है।

The first meeting of the reconstituted Consumer Policy Advisory Committee was held on 19 March 1997, where the need to increase participation of consumer organizations in the Technical Committees for formulation of Indian Standards was discussed. Meetings of Consumer Welfare Fund and Central Consumer Protection Council, the apex authority providing protection to common consumers in the country, were attended by senior officers of BIS. At the international level, BIS interacts with COPOLCO which is the ISO/IEC Council Committee on Consumer Policy.

उपभोक्ता दिवस

15 मार्च 1997 को विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर 'उपभोक्ता कल्याण और पर्यावरण संरक्षण' विषय पर भामा ब्यूरो और नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने संयुक्त रूप से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन केन्द्रीय खाद्य, नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री, श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव ने किया।

Consumer Day

On the occasion of World Consumer Day on 15 March 1997, an awareness programme on the theme 'Consumer Welfare and Environment Protection' was organized by BIS jointly with the Department of Consumer Affairs & Public Distribution, Ministry of Civil Supplies, Consumer Affairs and Public Distribution. The programme was inaugurated by Shri Devendra Prasad Yadav, Union Minister for Food, Civil Supplies, Consumer Affairs & Public Distribution.

साहित्य

विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर केन्द्रीय खाद्य, नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव ने भामा ब्यूरो द्वारा प्रकाशित 'अपने उत्पाद के बारे में जानिए' श्रृंखला के अन्तर्गत 'सीमेंट' विषय पर एक ब्रोशर का मोचन किया।

Literature

A brochure titled 'Cement' under the 'Know Your Product' series brought out by BIS was released by Shri Devendra Prasad Yadav, Union Minister for Food, Civil Supplies, Consumer Affairs & Public Distribution, on the occasion of World Consumer Day.

जन शिकायतें

उपभोक्ताओं से प्राप्त भामा ब्यूरो प्रमाणित उत्पादों के संबंध में शिकायतों का, सभी क्षेत्रीय/शाखा कार्यालयों द्वारा शिकायतों पर हर महीने मासिक प्रगति दर्शाने वाली रिपोर्ट बनाने के लिए, पुनर्विचार और मॉनीटर किया जाता है। 31 मार्च 1997 को लंबित शिकायतों की संख्या 81 थी (देखें आकृति 5)।

Public Grievances

Complaints regarding BIS certified products received from consumers are being reviewed and monitored every month to provide monthly status report on complaints for all Regional and Branch Offices. The number of pending complaints were 81 as on 31 March 1997 (*see* Fig.5).

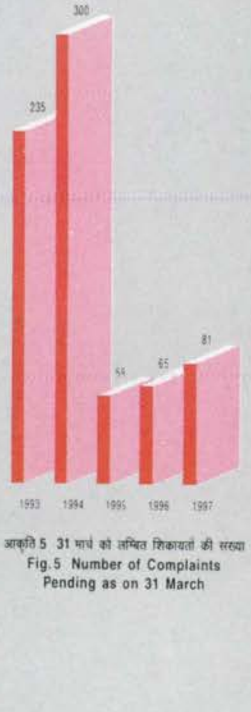

आकृति 5 31 मार्च को लम्बित शिकायतों की संख्या
Fig.5 Number of Complaints Pending as on 31 March

अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियाँ

INTERNATIONAL ACTIVITIES

अन्तर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आई.एस.ओ.)

आई.एस.ओ. की नीति निर्माता समितियों में से आई.एस.ओ. परिषद् और डेवको की बैठकों में भारतीय प्रतिनिधि-मण्डलों ने भाग लिया।

लंदन में 8-9 सितम्बर 1996 के दौरान डेवको की 30वीं बैठक और 10-12 सितम्बर 1996 को आई.एस.ओ. की 19वीं महासभा में नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री राजीव श्रीवास्तव और भामा ब्यूरो के अपर महानिदेशक श्री पा. सा. दास के रूप में दो सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधि मंडल ने भाग लिया। आई.एस.ओ. महासभा में विचार-विमर्श का मुख्य विषय 1996-98 के लिए आई.एस.ओ. की दीर्घकालिक कार्यनीति का कार्यान्वयन था। दूसरा मुख्य पहलू क्यू.एस.ए.आर. का कार्यान्वयन था। क्यू.एस.ए.आर. परिषद् की पहली बैठक इस वर्ष हुई।

विकासशील देशों के लिए पर्यावरण प्रबन्ध पद्धति और गुणता पद्धति प्रबन्ध पर बैठकों में भाग लेने की स्वीकृति देने की डेवको की बैठक में प्रशंसा की गई।

International Organization for Standardization (ISO)

Amongst the policy making committees of ISO, the ISO Council and DEVCO meetings were attended by Indian delegates.

A two-member Indian delegation comprising Shri Rajiv Srivastava, Joint Secretary, Ministry of Civil Supplies, Consumer Affairs & Public Distribution and Shri P.S. Das, Additional Director General, BIS, attended the 30th Meeting of DEVCO during 8-9 September 1996 and 19th ISO General Assembly during 10-12 September 1996 both held in London. In the ISO General Assembly, the focus of the discussion was implementation of ISO's Long Range Strategies for 1996-98. Another important aspect was the implementation of QSAR. The first meeting of QSAR board took place in this year.

In the DEVCO meeting, the sponsorship made available to developing countries for attending meetings on Environment Management System and Quality System Management was appreciated.

अन्तर्राष्ट्रीय विद्युत तकनीकी आयोग (आई.ई.सी.)

इस वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय विद्युत तकनीकी आयोग की महासभाएँ ड्रेसडन, जर्मनी में हुईं। इन बैठकों में विद्युततकनीकी विभाग परिषद् के अध्यक्ष श्री ए. के. खोसला के नेतृत्व में एक छः सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधि मंडल ने भाग लिया। आई.ई.सी. के प्रबन्धकीय ढाँचे के परिवर्तन पर विचार किया जा रहा है जो कि उनकी 1997 की बैठक में कार्यान्वित होगा, यह बैठक नई दिल्ली में आयोजित की गई है। भामा ब्यूरो 13 से 24 अक्तूबर 1997 तक नई दिल्ली में महासभा का अतिथेय कर रहा है जिसकी अभी से तैयारियाँ हो रही हैं।

International Electrotechnical Commission (IEC)

The General Meetings of IEC were held in Dresden, Germany this year. A six-member Indian delegation led by Shri A.K.Khosla, Chairman of Electrotechnical Divison Council attended the meetings. The management structure of IEC has been considerably changed which would be effectively implemented from their 1997 meetings which are to be held in New Delhi. BIS is hosting the General Meetings for 1997 in New Delhi from October 13 to 24 for which preparations are going on.

आई.एस.ओ./आई.ई.सी. तकनीकी समितियाँ/उपसमितियाँ

भामा ब्यूरो प्रतिनिधिमण्डलों ने आई.एस.ओ. और आई.ई.सी. की चुनींदा तकनीकी समितियों/उपसमितियों की बैठकों में भाग लिया, जो इस प्रकार हैं– आई.एस.ओ./टी.सी. 34/एस.सी. 8,

ISO/IEC Technical Committees/ Sub-Committees

BIS delegations participated in selected ISO and IEC technical committees/sub-committee meetings, i.e. ISO/TC 34/SC 8,

आई.एस.ओ./टी.सी. 38/ एस.सी. 12, आई.एस.ओ./टी.सी. 113, आई.एस.ओ./टी.सी. 120, आई.एस.ओ./टी.सी. 176, आई.एस.ओ./टी.सी. 176/एस.सी. 2, आई.एस.ओ./टी.सी. 207 और आई.ई.सी./टी.सी. 17।

आई.ई.सी./टी.सी. 61 'सेफ्टी ऑफ हाउसहोल्ड एण्ड सिमिलर इलैक्ट्रीकल एपलाइंसेस' की बैठक 18 से 22 नवम्बर 1996 तक नई दिल्ली में आयोजित की गई

अंडरराइटर्स प्रयोगशाला, कनाडा मानक एसोसियेशन (सी.एस.ए.), साउथ अफ्रिकन ब्यूरो ऑफ स्टैण्डर्ड्स

अन्य राष्ट्रीय मानक तथा प्रमाणन संगठनों की ओर से भामा ब्यूरो ने प्रमाणन गतिविधियों में और अधिक भाग लिया। अंडरराइटर्स प्रयोगशाला (यू.एल.), यूएसए के अन्तर्गत लाइसेंसधारी इकाईयों की संख्या जिनको भामा ब्यूरो प्रमाणन सेवा दे रहा है बढ़कर 237 हो गई। कनाडियन स्टैंडर्स एसोसिएशन (सी.एस.ए.) के अन्तर्गत लाइसेंसधारी यूनिटों की संख्या बढ़कर 67 और साउथ अफ्रिकन ब्यूरो ऑफ स्टैंडर्ड्स की 7 तक हो गई ।

इलैक्ट्रॉनिक संघटकों के लिए आई.ई.सी. गुणता मूल्यांकन पद्धति (आई.ई.सी.क्यू.)

अन्तर्राष्ट्रीय विद्युततकनीकी आयोग (आई.ई.सी.) की आई.ई.सी.क्यू. प्रमाणन योजना के अन्तर्गत भामा ब्यूरो राष्ट्रीय मानक संगठन (एन.एस.ओ.) और राष्ट्रीय प्राधिकृत संस्था (एन.ए.आई.) के रूप में कार्य कर रहा है। इस योजना के अन्तर्गत 29 निर्माता इकाईयों और 4 प्रयोगशालाओं को अनुमोदन प्रदान किए गए हैं।

आई.ई.सी.ई.ई. सी.बी. योजना

आई.ई.सी. के द्वारा चलाई गई आई.ई.सी.ई.ई. सी.बी. योजना के अन्तर्गत भामा ब्यूरो राष्ट्रीय प्रमाणन कार्य संस्था (एन.सी.बी.) है। इस पद्धति के अन्तर्गत अब तक केवल एक निर्माता को प्रमाणपत्र स्वीकृत किया गया है। इस वर्ष के दौरान एक और आवेदनपत्र प्राप्त हुआ है।

भारत-ई.ई.सी. सहयोग कार्यक्रम

भामा ब्यूरो केन्द्रीय प्रयोगशाला–साहिबाबाद के खाद्य एवं विद्युत उपकरण अनुभागों का उन्नयन भारत-ई.ई.सी. सहयोग कार्यक्रम के अन्तर्गत किया गया। भारत-यूरोपियन आयोग कार्यक्रम के अन्तर्गत ऊर्जा प्रबन्ध के अध्ययन के लिए नीदरलैंड और डेनमार्क में अध्ययन मिशन में भारतीय प्रतिनिधि-मंडल ने भाग लिया।

ISO/TC 38/SC 12, ISO/TC 113, ISO/TC 120, ISO/TC 176, ISO/TC 176/SC 2, ISO/TC 207 and IEC/TC 17.

Meeting of IEC/TC 61 'Safety of household & similar electrical appliances' was held at New Delhi from 18 to 22 November 1996.

Underwriters Laboratories, Canadian Standards Association (CSA), South African Bureau of Standards

BIS participation in certification activities on behalf of other National Standards and Certifying Bodies registered a sharp increase. The number of units under licence from Underwriters Laboratories (UL), USA to which BIS is offering certification services rose to 237. The corresponding number of licensee units under Canadian Standards Association (CSA) also rose to 67 and for South African Bureau of Standards to 7.

IEC Quality Assessment System for Electronic Components (IECQ)

Under the IECQ Certification Scheme of the International Electrotechnical Commission (IEC), BIS is both the National Standards Organization (NSO) and the National Authorised Institution (NAI). The number of approvals granted under the scheme comprises of 29 manufacturing units and 4 laboratories.

IECEE CB Scheme

Under the IECEE CB Scheme, also operated by the IEC, BIS is the National Certifying Body (NCB). Till date only one manufacturer has been granted certificate under the Scheme. One more application has been received under the scheme during the year.

INDO-EEC Cooperation Programme

The Food and Electrical Appliances Sections of BIS Central Laboratory, Sahibabad have been upgraded under the Indo-EEC Cooperation Programme. An Indian delegation attended a Study Mission at Netherlands and Denmark to study Energy Management under the Indo-European Cooperation Programme.

प्राप्त करायी जा सकेगी।

place useful consumer information on-line.

प्रलेख तैयार करने संबंधी सुविधाएँ

शक्तिशाली वर्ड प्रोसेसर जैसे एम.एस वर्ड 6.0, वर्ड परपेक्ट 5.1 और अन्य एम.एस-आफिस 4.3 सोफ्टवेयर के माध्यम से प्रलेख तैयार करने की सुविधाएँ बढ़ाई गई।

Document Preparation Facilities

Capability of document preparation facilities were enhanced through induction of powerful word processors like MS-Word 6.0, Word Perfect 5.1 and other software of MS-Office 4.3.

कंप्यूटरीकरण और कार्यालय स्वचलन सुविधाएँ

आई.ई.सी. महासभा 1997, जिसका अक्तूबर 1997 के दौरान भारत अतिथेय कर रहा है, की तैयारियाँ करने के लिए, मुख्यालय के विभिन्न विभागों में पेंटीयम आधारित छह पी.सी. और सात लेज़र प्रिंटर उपलब्ध कराए गए।

Computerization and Office Automation Facilities

For making preparations for the IEC General Meetings 1997, being hosted by India during October 1997, arrangements were made to provide various departments at Headquarters with six numbers of pentium based PCs and seven numbers of Laser Printers to augment the existing facility.

सिस्टम और डाटा प्रोसेसिंग का विकास

कर्मचारियों के लेखों को बिना अधिक प्रयास के अद्यतन करने की दृष्टि से मुख्यालय के कर्मचारियों के वेतन डाटा बैंक को फ्लापी पर उपलब्ध कराने के लिए वर्तमान में उपलब्ध सॉफ्टवेयरों में वृद्धि की गई।

वर्ष के दौरान, अग्नि शमन, मामा ब्यूरो प्रलेखों की इलैक्ट्रॉनिक स्टोरेज और पुर्नप्राप्ति पद्धति और समेकित प्रबन्ध सूचना पद्धति संबंधी परियोजनाओं का कार्य भी प्रगति पर रहा।

Development of Systems and Data Processing

The existing application software was augmented to make available the salary data of Headquarters on a floppy disk to the bank to update the individual employee accounts without excessive effort.

Projects on expert system for fire fighting, electronic storage and retrieval system for text of BIS documents and integrated management information system also made steady progress during the year.

वित्त, लेखा और लेखा-परीक्षा
FINANCE, ACCOUNTS AND AUDIT

ब्यूरो लगातार आठवें वर्ष भी बिना किसी भारत सरकार की बजट संबंधी सहायता के अपने गैर योजना व्यय को वहन करने के लिए आत्मनिर्भरता के उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल रहा।

For the eighth consecutive year, BIS achieved the goal of self reliance in meeting its non-plan expenditure without any budgetary support from the Government of India.

राजस्व (गैर-योजना)

कुल आय 5 064.5 लाख रूपये रही, जबकि पिछले वर्ष में यह 4 514 लाख रूपये थी। इस प्रकार आय में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस आय में सबसे अधिक योगदान प्रमाणन शुल्क का रहा, यह शुल्क पिछले वर्ष के 3 677.9 लाख रूपये की तुलना में इस वर्ष 3 993.4 लाख रूपये था (देखें आकृति 6)।

Revenue (Non-Plan)

Total income was higher at Rs. 506.45 million against Rs. 451.40 millon in the previous year resulting in a growth of 12 percent. The largest contribution to the income was certification marking fee which stood at Rs. 399.34 million against Rs. 367.79 million in the previous year (*see* Fig. 6).

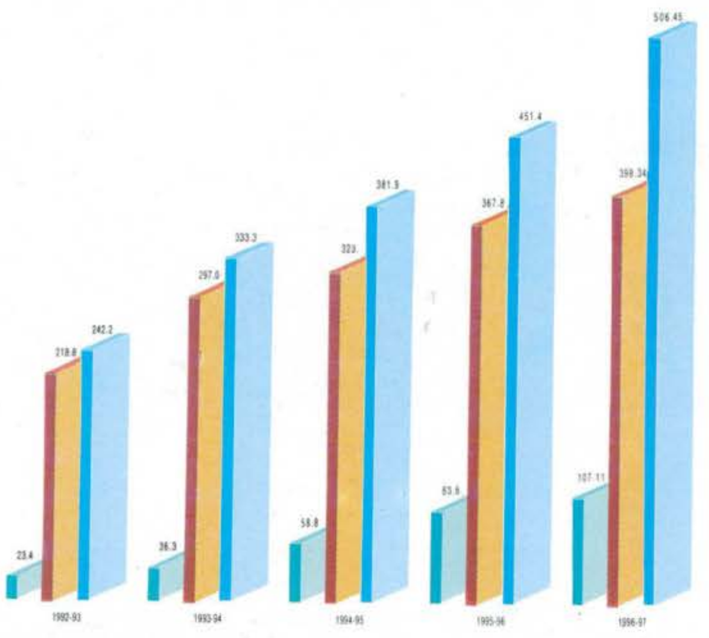

आकृति 6 आय (दस लाख रुपयों में)
Fig.6 Income (in Million Rupees)

जमा राशि पर ब्याज पिछले वर्ष के 404.6 लाख रूपये से बढ़कर इस वर्ष 611.8 लाख रूपये हो गया। ब्याज उपचयी आधार पर परिगणित किया गया।

Interest on deposits increased to Rs. 61.18 million from Rs. 40.46 million in previous year. The interest income is accounted on accrual basis.

इस वर्ष 3 382.9 लाख रूपये खर्च हुए, जबकि 1995-96 के दौरान खर्च 3 015.9 लाख रूपये था। इस प्रकार इस वर्ष खर्च में 12 प्रतिशत वृद्धि देखने में आई। कुल परिचालन अधिशेष बढ़कर 1 681.6 लाख रूपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह राशि 1 498.1 लाख रूपये थी।

Expenditure during the year has risen to Rs. 338.29 million from Rs. 301.59 million during 1995-96 depicting an increase of 12 percent. The operative surplus has increased to Rs. 168.16 million compared to Rs. 149.81 million in the previous year.

वर्ष 1996-97 और 1995-96 के दौरान हुई आय और व्यय का तुलनात्मक विवरण इस प्रकार है:

A comparative statement of Income and Expenditure during 1996-97 *viz*-a-*viz* 1995-96 is as under:

आय **INCOME**	**1995-96**	**1996-97**	वृद्धि/कमी(–) **Increase/ Decrease (–)**
	(रूपये 10 लाख में) (Rupees in millions)		
प्रमाणन शुल्क Certification Fee	367.79	399.34	9%
मानकों की बिक्री Sale of Standards	25.03	25.39	1%
गुणता पद्वति शुल्क Quality System Fee	14.30	15.00	5%
जमा पर ब्याज Interest on Deposits	40.46	61.18	51%
अन्य विविध आय Other Misc. Income	3.82	5.54	45%
योग Total	**451.40**	**506.45**	**12%**

व्यय EXPENDITURE	1995-96	1996-97	वृद्धि/कमी(–) Increase/ Decrease (–)
	(रूपये 10 लाख में) (Rupees in millions)		
वेतन और भत्ते Pay & Allowances	161.43	179.38	11%
अन्य प्रचालन संबंधी व्यय Other Operating Expenses	125.57	144.44	15%
मूल्य ह्रास Depreciation	14.59	14.47	1%
योग Total	**301.59**	**338.29**	**12%**
अधिशेष Surplus	**149.81**	**168.16**	**12%**

पूँजी (योजनागत)

सरकार ने 1996-97 के दौरान (पिछले वर्ष के बिना खर्च हुए 114.2 लाख रूपये के अतिरिक्त) 116.1 लाख रूपये योजना अनुदान के रूप में दिए। योजनागत परियोजना भुगतान (अग्रिम सहित) 78.1 लाख रूपये का किया गया।

विश्व बैंक परियोजना

31 मार्च 1997 तक प्राप्त कुल ऋण 390 लाख रूपये था। 1996-97 के दौरान 2.8 लाख रूपये राजस्व की मदों पर और 1.5 लाख रूपये पूँजीगत मदों पर खर्च किए गए।

विश्व बैंक ऋण से किया गया कुल व्यय 31 मार्च 1997 तक 225.1 लाख रूपये (152.2 लाख रूपये के अग्रिम को छोड़कर) रहा। 225.1 लाख रूपयों में से राजस्व संबंधी मदों पर 141.7 लाख रूपये तथा पूँजीगत मदों पर 83.4 लाख रूपये खर्च हुए।

Capital (Plan)

The Government released Rs. 11.61 million as plan grant during the year 1996-97 (in addition to carry forward of unspent balance of Rs. 11.42 million from the previous year). Plan projects payments (including advances) stood at Rs. 7.81 million.

World Bank Projects

The total loan received up to 31 March 1997 stood at Rs. 39.0 million. During 1996-97 a sum of Rs. 0.28 million was spent on revenue items and Rs. 0.15 million on capital items

Cumulative expenditure up to 31 March 1997 out of World Bank Loan stood at Rs. 22.51 million (excluding advances of Rs. 15.22 million). Out of Rs. 22.51 million, expenditure on Revenue items stood at Rs. 14.17 million and capital items stood at Rs. 8.34 million.

31 मार्च 1997 का पक्का चिट्ठा

BALANCE SHEET AS ON 31 MARCH 1997

		अनुसूची SCHEDULE		चालू वर्ष CURRENT YEAR		पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR
1.	निधि के स्त्रोत **SOURCES OF FUNDS**					
1.1	पूँजी निधि Capital Fund	एन N		729 099 826		545 311 807
1.2	रिजर्व और निधियाँ Reserves & Funds	ओ O		305 491 829		280 666 763
1.3	ऋण Loans	पी P		39 000 000		39 000 000
	योग **TOTAL**			**1 073 591 655**		**864 978 570**
2.	निधियों का उपयोग **APPLICATION OF FUNDS**					
2.1	अचल परिसम्पत्ति Fixed Assets	क्यू Q		116 849 477		107 277 828
2.2	निवेश Investments	आर R		766 795 591		609 921 459
3.	कार्यकारी पूँजी **WORKING CAPITAL**					
3.1	चल परिसम्पत्ति, ऋण और अग्रिम Current Assets, Loans & Advances	एस S	217 101 015		170 864 777	
3.2	नामे : चालू देयता Less : Current Liabilities	टी T	27 154 428	189 946 587	23 085 494	147 779 283
	योग **TOTAL**			**1 073 591 655**		**864 978 570**

टिप्पणी : **NOTES :**

1) अनुसूची ए से टी तक लेखे का भाग है।
2) भारतीय मानकों के क्लोजिंग स्टाक का मूल्य नहीं आंका गया है और लेखे में शामिल नहीं किया गया है।

1) Schedules A to T form part of Accounts.
2) The closing stock of Indian Standards has not been valued and included in the accounts.

हस्ता./Sd./-	हस्ता./Sd./-	हस्ता./Sd./-
एन. एन. मुखर्जी	जे. वैंकटरामन	बी. जी. शंकरराव
(N.N. MOOKERJEE)	(J. VENKATARAMAN)	(B.G. SHANKRARAO)
महानिदेशक भा.मा.ब्यूरो	उपमहानिदेशक, वित्त, भा.मा.ब्यूरो	निदेशक (वित्त) भा.मा.ब्यूरो
DIRECTOR GENERAL, BIS	DY. DIRECTOR GENERAL FINANCE, BIS	DIRECTOR (FINANCE), BIS

31 मार्च 1997 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 1997

आय INCOME

		अनुसूची SCHEDULE	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1996-97	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1995-96
1.	प्रमाणन शुल्क Certification Fees		399 335 768	367 789 935
2.	गुणता पद्धति प्रमाणन शुल्क Quality System Certification fees		14 998 273	14 296 912
3.	मानकों की बिक्री Sale of Standards	ए A	25 392 745	25 033 020
4.	अन्य आय Other Income	बी B	66 726 201	44 283 676
5.	सरकारी अनुदान Govt. Grant		—	—
	योग TOTAL		506 452 987	451 403 543

व्यय EXPENDITURE

1.	वेतन और भत्ते Pay and Allowances	सी C	179 381 163	161 434 043
2.	सेवा निवृत्ति लाभ Retirement Benefits	डी D	27 703 428	113 36 455
3.	अन्य स्टाफ लाभ Other Staff Benefits	ई E	13 231 839	10 868 523
4.	यात्रा व्यय Travelling Expenses	एफ F	14 821 398	17 442 312
5.	अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को चंदे Subscription to International Organisations	जी G	10 211 593	11 816 808
6.	उत्पादन Production	एच H	4 811 035	3 403 440
7.	परीक्षण Testing	आई I	23 581 493	20 524 051
8.	प्रचार Publicity	जे J	1 913 915	3 602 057
9.	कार्यालय व्यय Office Expenses	के K	31 979 731	28 597 048
10.	मरम्मत व रखरखाव Repairs & Maintenance	एल L	8 118 651	8 269 890
11.	अन्य व्यय Other Expenses	एम M	7 789 407	7 585 090
12.	विश्व बैंक परियोजना राजस्व व्यय World Bank Project Revenue Expenses	एम1 M1	274 920	2 119 457
13.	मूल्यह्रास Depreciation	क्यू Q	14 470 362	14 592 699
	योग TOTAL		338 288 935	301 591 873
	अधिशेष/(घाटा) Surplus/(Deficit)		168 164 052	149 811 670

विनियोजन APPROPRIATIONS

निम्न को अंतरण : Transfer to:		
क) विश्व बैंक ऋण प्रतिदान निधि A) World Bank Loan Redemption Fund	—	5 000 000
ख) पूँजीगत निधि B) Capital Fund	168 164 052	144 811 670
योग TOTAL	168 164 052	149 811 670

अनुसूची के - कार्यालय व्यय SCHEDULE K - OFFICE EXPENSES

		चालू वर्ष CURRENT YEAR 1996-97	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1995-96
1.	स्टेशनरी Stationery	3 931 183	3 973 431
2.	डाक व्यय Postage	2 063 384	1 895 518
3.	टेलीफोन और टेलेक्स Telephone and Telex	5 648 706	4 945 485
4.	भर्ती Recruitment	297 468	158 689
5.	जलपान और मनोरंजन Refreshment and Entertainment	682 882	583 322
6.	वर्दी Liveries	362 626	517 599
7.	भाड़ा और ढुलाई Freight and Cartage	468 942	517 581
8.	बीमा और बैंक प्रभार Insurance and Bank Charges	1 352 863	1 149 121
9.	विविध Miscellaneous	1 298 884	1 897 635
10.	किराया और कर Rent and Taxes	6 785 346	4 509 311
11.	बिजली और पानी Electricity and Water	9 087 447	8 449 356
	योग TOTAL	**31 979 731**	**28 597 048**

अनुसूची एल - मरम्मत और रखरखाव SCHEDULE L - REPAIRS AND MAINTENANCE

1.	फर्नीचर एवं उपस्कर Furniture and Equipment	1 166 693	1 129 617
2.	भवन Building	5 657 466	6 167 981
3.	वाहन Vehicles	1 294 492	972 292
	योग TOTAL	**8 118 651**	**8 269 890**

अनुसूची एम - अन्य व्यय SCHEDULE M - OTHER EXPENSES

1.	अनुसंधान और परामर्श Research and Consultation	—	—
2.	सम्मेलन, परामर्श एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम Conferences, Consultancy and Training Programme	2 115 466	1 574 483
3.	इलैक्ट्रानिकी आँकड़ा संसाधन Electronic Data Processing	1 818 455	1 519 403
4.	पुस्तकालय चंदा और अन्य व्यय Library Subscription and Other Expenses	262 811	206 020
5.	लेखा परीक्षा शुल्क और कानूनी कार्यवाही प्रभार Audit Fees and Legal Charges	464 481	478 675
6.	स्टाफ प्रशिक्षण Staff Training	712 204	852 271
7.	आवास निर्माण ऋण पर ब्याज/ब्याज पर छूट Interest/Interest subsidy on House Building Loan	2 410 894	2 925 746
8.	अन्य ऋणों पर ब्याज : Interest on other loans from:		
	क) केन्द्र सरकार – वाहन ऋण से a) Central Government - Towards Conveyance Loan	—	17 500
	ख) अन्य स्रोतों से b) Other Sources	—	—
9.	डूबते ऋण बट्टे खाते में डाला Bad Debts Written Off	5 096	10 992
	योग TOTAL	**7 789 407**	**7 585 090**

अनुसूची एम 1 - विश्व बैंक परियोजना राजस्व व्यय SCHEDULE M 1- WORLD BANK PROJECT REVENUE EXPENSES

		चालू वर्ष CURRENT YEAR 1996-97	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1995-96
1.	परियोजना 1 - मानकीकरण प्रबन्ध एवं मानक विकास Project 1 - Standardization Management & Standards Development	—	1 186 421
2.	परियोजना 2 - उत्पादों की गुणता का उन्नयन Project 2 - Upgrading Quality of Products	566	570 686
3.	परियोजना 3 - भा.मा. ब्यूरो प्रयोगशाला नेटवर्क का उन्नयन Project 3 - Upgrading BIS Lab network	—	—
4.	परियोजना 4 - भा.मा. ब्यूरो प्रशिक्षण गतिविधि को बढ़ाना Project 4 - Strengthening BIS Training Activity	94 238	105 399
5.	परियोजना 5 - भा.मा. ब्यूरो के संवर्धनात्मक प्रयासों को बढ़ाना Project 5 - Strengthening BIS Promotional Efforts	158 868	153 017
6.	परियोजना 6 - निर्यात के लिए तकनीकी सहायता Project 6 - Technical Assistance to Exports	—	—
7.	परियोजना 7 - मानक सूचना केन्द्र Project 7 - Standards Information Centres	23 748	96 684
8.	परियोजना 8 - इलैक्ट्रोनिक प्रलेख इमेज रिट्रीवल सिस्टम एंड इन्ट्राएक्टिव इन्फोर्मेशन सिस्टम Project 8 - Electronic Document Image Retrieval System & Intractive Information System	−2 500	7 250
	योग TOTAL	**274 920**	**2 119 457**

अनुसूची एन - पूँजीनिधि SCHEDULE N - CAPITAL FUND

	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1996-97	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1995-96
पिछले पक्के चिट्ठे के अनुसार As per last Balance Sheet	545 311 807	384 610 357
जमा : Add:		
i) पूँजीगत परिसंपत्तियों की लागत (अनुसूची 'ओ' की क्रम सं. 1 देखें) Cost of assets capitalized (Refer Schedule 'O' Sl. No. 1)	15 674 939	15 765 230
iii) क्वासम निधि से पूँजीगत परिसम्पत्तियों की लागत (अनुसूची 'ओ' का क्रम सं. 3ए देखें) Cost of assets capitalized from QAWSM funds (Refer Schedule 'O' Sl. No. 3a)	13 698	124 693
iv) व्यय से आय की अधिकता (आय तथा व्यय लेखे अग्रानीत से अधिशेष) Excess of income over expenditure (Surplus Carried over from Income And Expenditure Account)	168 164 052	144 811 670
योग TOTAL	**729 164 496**	**545 311 950**
नामे: Less:		
ii) बट्टे खाते में डाला पूँजीगत निवेश Capital investment written off	64 670	143
योग TOTAL	**729 099 826**	**545 311 807**

2942(Misc)3
99-05-13

अनुसूची ओ - रिजर्व और निधियाँ SCHEDULE O - RESERVES AND FUNDS

क्रम सं. Sl. No.	विवरण Particulars	अनुदान का स्रोत Source of Grant	1 अप्रैल 96 को शेष निधि Fund Balance As on 1 April 96	1996-97 के दौरान अनुदान प्राप्ति Grant Received During 1996-97	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ/विनियोजन Other Receipts/ Appropriations	वर्ष के दौरान उपयोग Utilisation during the year			31 मार्च 97 को स्थिति As on 31 March 97
						पूँजी Capital	राजस्व Revenue	योग Total	
1.	पूंजीकरण की प्रक्रिया में निधियाँ (परियोजना के नाम) **Funds in the process of Capitalization (Name of the Projects)**								
ए) a)	प्रयोगशाला उपस्कर, कंप्यूटर तथा संबद्ध उपकरण निधियाँ Laboratory equipment, computer and associated equipment fund	नागरिक पूर्ति, उ.मा.व.सा. वितरण मंत्रालय Ministry of Civil Supplies, CA&PD	26 425 866	1 008 000	330 863	10 565 819	—	10 565 819	17 198 910
बी) b)	कलकत्ता प्रयोगशाला-सह-कार्यालय भवन निधि Calcutta Lab-cum-Office building fund	-वही- -do-	514 813	—	—	55 880	—	55 880	458 933
सी) c)	एस एण्ड टी परियोजना निधि S & T project fund	-वही- -do-	69 357	800 000	150 377	—	813 842	813 842	205 892
डी) d)	स्टाफ आवास परियोजना Staff housing project	-वही- -do-	11 650 000	9 603 000	3 900 000	4 906 360	—	4 906 360	20 246 640
ई) e)	गैट परियोजना निधि GATT project fund	-वही- -do-	172 500	200 000	—	146 880	31 625	178 505	193 995
एफ) f)	प्रयोगशाला भवन, लखनऊ Lab. building, Lucknow	-वही- -do-	1 900 000	—	1 900 000	—	—	—	—
जी) g)	प्रशिक्षण इन्स्टीट्यूट निधि Training Institute Fund	-वही- -do-	2 000 000	—	2 000 000	—	—	—	—
	योग TOTAL		42 732 536	11 611 000	481 240	15 674 939	845 467	16 520 406	38 304 370

अनुसूची ओ - रिजर्व और निधियाँ SCHEDULE O - RESERVES AND FUNDS

क्र. सं. Sl. No.	विवरण Particulars	1 अप्रैल 96 को शेष निधि Fund Balance As on 1 April 96	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ/समायोजन Receipts/Adjustments during the year	वर्ष के दौरान उपयोग Utilisation during the year			31 मार्च 97 को स्थिति As on 31 March 97
				पूँजी Capital	राजस्व Revenue	योग Total	
2.	कर्मचारी निधियाँ **Employees Funds**						
	ए) ग्रेच्युटी निधि a) Gratuity fund	171 204	—	—	—	—	171 204
	बी) हितकारी निधि b) Benevolent fund	275 287	261 479	—	220 000	220 000	316 766
	सी) पेंशन निधि c) Pension fund	1 521 898	26 611 401	—	27 030 476	27 030 476	1 102 823
	डी) सा. भ. निधि d) G.P. fund	193 336 458	53 578 543	—	28 218 457	28 218 457	218 696 544
	ई) अंश भ. निधि e) C.P. fund	4 819 473	968 992	—	382 891	382 891	5 405 574
	योग **TOTAL**	**200 124 320**	**81420 415**	—	**55 851 824**	**55 851 824**	**225 692 911**

क्र. सं. Sl. No.	विवरण Particulars	अनुदान का स्रोत Source of Grant	1 अप्रैल 96 को शेष निधि Fund Balance As on 1 April 96	1996-97 के दौरान अनुदान प्राप्ति Grant recieved During 1996-97	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ/समायोजन Receipts/ Adjustments during the year	वर्ष के दौरान उपयोग Utilisation during the year			31 मार्च 97 को स्थिति As on 31 March 97
						पूँजी Capital	राजस्व Revenue	योग Total	
3.	अन्य विशेष परियोजनाएँ **Other Specific Projects**								
	ए) क्वासम a) QAWSM	कृषि मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) Ministry of Agriculture (Deptt. of Rural Deveploment)	909 907	—	—	13 698	−8 339	5 359	904 548
	बी) विश्व बैंक प्रतिदान निधि b) World Bank Loan Redemption Fund		36 900 000	—	3 690 000	—	—	—	40 590 000
	योग **TOTAL**		37 809 907	—	3 690 000	13 698	−8 339	5 359	41 494 548
	महायोग **GRAND TOTAL**		280 666 763	11 611 000	85 591 655	15 688 637	56 688 952	72 377 589	305 491 829

अनुसूची पी - ऋण SCHEDULE P - LOANS

ऋण की प्रकृति Nature of Loan	31 मार्च 96 को स्थिति As on 31 March 96	1996-97 के दौरान During 1996-97 प्राप्तियाँ Receipts	 भुगतान Repayment	31 मार्च 97 को शेष Balance on 31 March 97
i) भारत सरकार से प्राप्त ऋण Loans from Govt. of India	—	—	—	—
योग **Total**	—	—	—	—
ii) अन्य स्रोतों से प्राप्त ऋण Loans from other sources				
1) विश्व बैंक World Bank	39 000 000	—	—	39 000 000
योग **Total**	**39 000 000**	—	—	**39 000 000**
महायोग **Grand Total**	**39 000 000**	**0**	**0**	**39 000 000**

अनुसूची क्यू - स्थिर परिसंपत्तियाँ SCHEDULE Q - FIXED ASSETS

क्रम सं. Sl. No.	विवरण Description	सकल ब्लॉक मूल्य के अनुसार Gross Block at cost				मूल्यह्रास Depreciation				नेट ब्लाक Net Block	
		31 मार्च 96 को स्थिति As at 31 March 96	जमा Addition	घटा बिक्री/ बट्टे खाते Deduction Sale/written off	31 मार्च 97 को स्थिति As at 31 March 97	31 मार्च 96 तक Upto 31 March 96	जमा Addition	घटा बिक्री/ बट्टे खाते Deduction Sale/written off	31 मार्च 97 तक Upto 31 March 97	31 मार्च 97 को स्थिति As at 31 March 97	31 मार्च 96 को स्थिति As at 31 March 96
1.	भवन–मुख्यालय (मानक भवन/मानकालय) Building-Headquarters (Manak Bhawan/Mankalaya)	4 921 703	3 838 253	—	8 759 956	3 532 427	450 322	—	3 982 749	4 777 207	1 389 276
2.	भवन–I मद्रास Building-I Madras	1 133 556	—	—	1 133 556	644 473	24 365	—	668 838	464 718	489 083
3.	भवन–II मद्रास Building-II Madras	8 784 317	—	—	8 784 317	2 070 669	362 360	—	2 433 029	6 351 288	6 713 648
4.	भवन–साहिबाबाद में केन्द्रीय प्रयोगशाला Building-Central Laboratory at Sahibabad	14 365 960	—	—	14 365 960	5 972 906	465 928	—	6 438 834	7 927 126	83 930 054
5.	भवन–मुंबई Building-Mumbai	5 274 900	—	—	5 274 900	2 778 186	124 993	—	2 903 179	2 371 721	2 496 714
6.	भवन–I कलकत्ता Building-I Calcutta	3 112 635	—	—	3 112 635	1 690 749	69 649	—	1 760 398	1 352 237	1 421 886
7.	भवन–II कलकत्ता Building-II Calcutta	8 642 586	55 880	—	8 698 466	1 317 950	388 574	—	1 706 524	6 991 942	7 324 636
8.	रिहायशी फ्लैट Residential Flats	33 985 267	4 906 360	—	38 891 627	4 348 514	1 727 157	—	6 075 671	32 815 956	29 636 753
9.	जीरॉक्स कापी उपस्कर Zerox Copying Equipment	130 541	—	—	130 541	129 612	243	—	129 855	686	929
10.	प्रयोगशाला उपस्कर Laboratory Equipment	117 417 913	10 579 517	—	127 997 430	92 912 729	7 294 520	—	100 207 249	27 790 181	24 505 184
11.	फर्नीचर और उपस्कर Furniture and Equipment	27 851 244	2 979 570	617 920	30 212 894	19 197 290	1 892 391	558 509	20 531 172	9 681 722	8 653 954

क्रम सं. Sl. No.	विवरण Description	सकल ब्लॉक मूल्य के अनुसार Gross Block at cost				मूल्यह्रास Depreciation				नेट ब्लाक Net Block	
		31 मार्च 96 को स्थिति As at 31 March 96	जमा Addition	घटा बिक्री/ बट्टे खाते Deduction Sale/written of	31 मार्च 97 को स्थिति As at 31 March 97	31 मार्च 96 तक Upto 31 March 96	जमा Addition	घटा बिक्री/ बट्टे खाते Deduction Sale/written off	31 मार्च 97 तक Upto 31 March 97	31 मार्च 97 को स्थिति As at 31 March 97	31 मार्च 96 को स्थिति As at 31 March 96
12.	वाहन Vehicles	2 276 188	179 348	——	2 455 536	1 474 976	196 109	——	1 671 085	784 451	801 212
13.	रिप्रोग्राफी उपस्कर Reprographic Equipment	1 128 929	——	69 000	1 059 929	1 050 530	18 285	63 741	1 005 074	54 855	78 399
14.	पुस्तकालय में पुस्तकें Library Books	8 493 693	1 372 707	——	9 866 400	——	——	——	——	9 866 400	8 493 693
15.	मुख्यालय भवन का विस्तार– मानक भवन में सभागार Ext. of HQ Building-Auditorium in Manak Bhawan	1 442 902	——	——	1 442 902	789 951	58 224	——	848 175	594 727	652 951
16.	मुख्यालय भवन का विस्तार– अग्नि शमन परियोजना Ext. of HQ Building-Fire Fighting Project	2 937 333	——	——	2 937 333	568 993	437 887	——	1 006 880	1 930 453	2 368 340
17.	लखनऊ में प्रयोगशाला एवं कार्यालय भवन (डब्लयू आई पी पूँजी) Lab cum Office Building-Lucknow (Capital WIP)	119 472	——	——	119 472	——	——	——	——	119 472	119 472
18.	विश्व बैंक परियोजना उपस्कर World Bank Project Equipment	8 188 682	145 579	——	8 334 261	4 450 038	959 355	——	5 409 393	2 924 868	3 738 644
19.	भूमि–जम्मू Land-Jammu	——	49 467	——	49 467	——	——	——	——	49 467	——
	योग TOTAL	250 207 821	24 106 681	686 920	273 627 582	142 929 993	14 470 362	622 250	156 778 105	116 849 477	107 277 828

अनुसूची आर - निवेश (लागत पर) SCHEDULE R - INVESTMENTS (AT COST)

क्र. सं. Sl. No.	विवरण Particular	31 मार्च 96 को स्थिति As on 31 March 96	जमा Additions	कटौतियाँ (बिक्री/परिपक्वता) Deductions (Sale/Maturity)	31 मार्च 97 को स्थिति As on 31 March 97
1.	बैंक तथा वित्तीय संस्थाओं में जमा Deposits with Banks and Financial Institutions	371 051 621	137 359 625	—	508 411 246
2.	बैंक में जमा–विश्व बैंक ऋण प्रतिदान निधि निवेश लेखा Deposits with Banks - World Bank Loan Redmp. Fund Investment Account	36 900 000	3 690 000	—	40 590 000
3.	पेंशन निधि Pension Fund	1 507 750	—	1 507 750	—
4.	सा. भ. निधि G.P. Fund	187 449 133	20 539 164	—	207 988 297
5.	अंश. भ. निधि C.P. Fund	4 062 955	—	106 907	3 956 048
6.	बैंक में जमा–अन्य Deposits with Banks-others				
	क) ग्रेच्युटी निधि खाता a) Account Gratuity Fund	350 000	—	—	350 000
	ख) योजनागत परियोजना b) Out of Plan Projects	7 000 000	—	3 000 000	4 000 000
	ग) अ.शा.का. भवन परियोजना c) ABO Building Project	1 400 000	—	100 000	1 300 000
	घ) लाभदायी निधि d) Benevolent Fund	200 000	—	—	200 000
	योग **TOTAL**	**609 921 459**	**161 588 789**	**4 714 657**	**766 795 591**

अनुसूची एस - चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण और अग्रिम SCHEDULE S - CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES

क्र.सं. SI No.	विवरण PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1996-97	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1995-96
1.	स्टॉक (लागत पर) Stock (at cost)		
	क) छपाई का कागज a) Printing Paper	1 384 386	1531 152
	ख) प्रयोगशाला में उपकरण और स्टोर का सामान b) Laboratory apparatus and stores	1 931 543	1 781 848
	ग) स्टेशनरी तथा कंप्यूटर की खपत योग्य सामग्री व्यय c) Stationery & Computer Consumables	1 501 726	1 420 000
	घ) मरम्मत और रखरखाव की खपत योग्य सामग्री व्यय d) Repair & Maintenance Consumables	61 364	79 396
2.	फुटकर लेनदारियाँ Sundry Debtors		
	क) प्रकाशनों की बिक्री a) Sale of Publications	2 808 872	2 560 607
	ख) प्रमाणन b) Certification	5 119 053	6 370 966
3.	ऋण, अग्रिम और जमा Loans, Advances and Deposits		
	क) कर्मचारियों को निम्नलिखित के लिए ऋण a) Loans to employees for:		
	i) वाहन की खरीद के लिए i) Purchase of conveyance	7 116 768	7 900 146
	ii) आवास निर्माण के लिए ii) House construction	258 470	501 820

क्र.सं. Sl No.	विवरण PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1996-97	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1995-96
	ख) कर्मचारियों को निम्नलिखित के लिए ऋण b) Advances to employees for:		
	i) त्यौहार i) Festival	316 045	297 505
	ii) प्राकृतिक आपदाएं ii) Natural calamities	900	5 860
	iii) यात्रा व्यय iii) Travelling Expenses	535 170	3 176 365
	iv) छुट्टी यात्रा iv) Leave Travel	518 267	485 888
	v) वसूली योग्य लेखे v) Accounts recoverable	177 766	181 598
	vi) पंखा अग्रिम vi) Fan advance	2 600	8 360
	ग) समायोज्य अग्रिम (गैर योजना) (कर्मचारी/पार्टियाँ) c) Adjustable Advances (Non Plan) (Employees/Parties)	4 184 613	2 935 381
	घ) पार्टियों को अग्रिम योजनागत परियोजना योजनाओं के अंतर्गत : d) Advances to parties under Plan Projects Schemes:	22 565 673	31 313 128
	ङ) पार्टियों को अग्रिम विश्व बैंक परियोजना के अंतर्गत e) Advances to parties under World Bank Projects	15 218 551	15 219 117
	च) सरकारी पार्टियों से वसूली योग्य (कोलम्बो योजना/एस.सी.ए.पी.पी./आई.टी.ई.सी.) f) Recoverables from Govt. parties: (Colombo Plan/SCAPP/ITEC)	1 819 419	1 510 153
	छ) वसूली योग्य लेखे (अन्य) (जी.आई.एस. लेखे में अन्तर सहित) g) Accounts Recoverable (Others) (Including Diff. in GIS Account)	1 255 541	1 158 169
4.	प्रतिभूति जमा Security Deposits	1 460 902	1 183 717
5.	पूर्वप्रदत्त व्यय Prepaid Expenses	962 175	736 026
6.	स्रोत पर काटा गया कर Tax Deducted at Sources	732 738	687 388
7.	ब्याज प्राप्ति तथा बकाया Interest Accrued & Due	74 253 660	32 048 000
8.	कैश तथा बैंक शेष Cash and Bank Balances		
	क) बैंक में a) With banks	69 261 438	57 271 669
	ख) हाथ में (इम्प्रेस्ट सहित) b) In hand (including imprest)	411 392	357 572
	ग) फ्रेंकिंग मशीन c) Franking machine	53 983	79 946
	घ) पारवहन में चैक d) Cheques in transit	188 000	63 000
	योग TOTAL	**217 101 015**	**170 864 777**

अनुसूची टी - चालू देयताएँ SCHEDULE T - CURRENT LIABILITIES

क्र.सं. Sl No.	विवरण PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR 1996-97	पिछला वर्ष PREVIOUS YEAR 1995-96
1.	फुटकर देनदारियाँ Sundry Creditors		
	क) देश में a) Inland	4 395 164	1 170 510
	ख) विदेश में b) Abroad	10 487 956	11 513 490
	ग) बयाना राशि c) Earnest Money	4 648 281	3 906 066
	घ) ग्राहक बकाया (बिक्री) d) Customer Balances (Sales)	2 778 312	1 555 139
	ङ) ग्राहक बकाया (प्रमाणन) d) Customer Balances (Certification)	2 517 872	2 584 714
2.	भुगतान योग्य लेखे (कर्मचारियों के) Accounts Payable (Employees)	527 784	503 466
3.	अप्रदत्त वेतन और मजदूरी Unpaid Salaries and Wages	62 331	993
4.	बिहार सरकार (प्रयोगशाला उपस्कर खाता) Government of Bihar (a/c Lab. Equipment)	395 526	395 526
5.	गुजरात सरकार (अ.शा.का. भवन खाता) Government of Gujarat (ABO Building a/c)	1 312 555	1 455 590
6.	एस.सी.ए.पी.पी. SCAPP	28 647	——
	योग TOTAL	**27 154 428**	**23 085 494**

लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र

ने भारतीय मानक ब्यूरो के 31 मार्च 1997 को समाप्त हुए वर्ष के आय और व्यय लेखा तथा दिनांक 31 मार्च, 1997 के तुलन पत्र की जाँच कर ली है। मैंने सभी अपेक्षित सूचनाएँ और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं और संलग्न लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में दी गई अभ्युक्तियों में अध्याधीन अपनी लेखा परीक्षा के परिणाम स्वरूप मैं प्रमाणित करता हूँ कि मेरी राय में और मेरी सर्वोत्तम सूचना और मुझे दिए गए स्पष्टीकरणों और संगठन की बहियों में दिए गए उल्लेख के अनुसार ये लेखे और तुलन पत्र उपयुक्त रूप से तैयार किए गए हैं और भारतीय मानक ब्यूरो के कार्य-कलाप का सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।

हस्ता/–
(टी.के. सन्याल)
प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा

स्थान : दिल्ली
दिनांक : 12-12-1997

AUDIT CERTIFICATE

I have examined the Income and Expenditure Account for the year ended 31st March, 1997 and the Balance Sheet as on 31st March, 1997 of Bureau of Indian Standards, New Delhi. I have obtained all the information and explanations that I have required and subject to the observations in the appended audit report, I certify as a result of my audit, that in my opinion these Accounts and Balance Sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of the Bureau of Indian Standards according to the best of information and explanations given to me and as shown by the books of the organisation.

Sd/-
(T.K. Sanyal)
Pr. Director of Audit

Place : New Delhi
Dated : 12.12.1997

भारतीय मानक ब्यूरो की वर्ष 1996-97 के आय-व्यय की लेखा परीक्षा रिपोर्ट

1. परिचय

भारतीय मानक ब्यूरो की स्थापना भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत एक सांविधिक निकाय के रूप में दिनांक 1 अप्रैल 1987 को हुई। इसने उत्पाद प्रमाणन, गुणता आश्वासन, परामर्श देना, परीक्षण शुल्क आदि संबंधी तत्कालीन भारतीय मानक संस्था के सभी कार्य संभाले। ब्यूरो के क्रियाकलापों का वित्त पोषण प्रमाणन मुहर शुल्क की प्राप्ति, प्रकाशनों की बिक्री एवं केन्द्र सरकार के अनुदान से होता है। वर्ष 1996-97 के दौरान ब्यूरो को 116.11 लाख रुपये योजना अनुदान के रूप में प्राप्त हुए।

रो के लेखे-जोखों की लेखा-परीक्षा भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 के अनुच्छेद (2) और नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, अधिकार और सेवा शर्तें) अधिनियम, 1 के अनुच्छेद 19 (2) के अंतर्गत की गई।

2. लेखा पर टिप्पणियाँ
चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण तथा अग्रिम

2.1 चालू परिसम्पत्तियों, ऋणों तथा अग्रिमों के 25.39 लाख रू० का न्यून विवरण

अधिकारियों एवं स्टाफ से 25.39 लाख रूपये (नीचे उल्लिखित) की राशि वसूली योग्य थी, जैसा कि लेखा परीक्षा में बताया गया है, जो चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋणों एवं अग्रिम के रूप में न्यून विवरण दर्शायी गई है। भामा ब्यूरो ने नवम्बर 1997 में बताया कि इस सन्दर्भ में आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

AUDIT REPORT ON THE ACCOUNTS OF BUREAU OF INDIAN STANDARDS FOR THE YEAR 1996-97

1. Introduction

The Bureau of Indian Standards was established as a statutory body with effect from 1 April, 1987 with the enactment of Bureau of Indian Standards Act, 1986. It took over all activities, viz, product certification, quality assurance, consultancy services, testing, etc, of the erstwhile Indian Standards Institution. The activities of the Bureau are financed from receipt of fees for certification mark, sale of publications and grant from Central Government. During 1996-97 the Bureau received a Plan grant of Rs. 116.11 lakh.

The audit of the accounts of the Bureau was conducted under Section 22(2) of the Bureau of Indian Standards Act, 1986 and Section 19(2) of Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Condition of Service) Act, 1971.

2. Comments on accounts
Current Assets, Loans & Advances

2.1 Understatement of Current Assets, Loans and Advances by Rs 25.39 lakh

Non depiction of certain recoveries in the accounts amounting to Rs 25.39 lakh (detailed below), recoverable from officers & staff & as pointed out by audit, resulted into understatement of Current Assets, Loans and Advances to that extent BIS stated in November 1997 that necessary action was being taken in the matter.

वर्ष Year	राशि (लाख रूपयों में) Amount (Rs. in lakh)
1989-90	0.37
1992-93	2.35
1994-95	3.58
1995-96	13.16
1996-97	5.93
कुल Total	**25.39**

2.2 31 मार्च 1997 तक अनुदान निधि निवेश पर 1,29,555/- रूपये का ब्याज प्राप्त हुआ जो लेखा में नहीं लिया गया। इसके संबंध में इस सीमा तक चालू परिसम्पत्तियां (ब्याज अर्जित) तथा आरक्षित और निधि (उपदान-निधि) के न्यून विवरण के रूप में दिखाई गई हैं।

2.2 Interest amounting to Rs. 1,29,555/- accrued on Gratuity Fund and Investment up to 31 March, 1997, was not accounted for in the accounts thereby showing understatement of Current Assets (Interest Accrued) and Reserves & Funds (Gratuity Fund) to this extent.

2.3 'लखनऊ में प्रयोगशाला भवन' शीर्ष के अंतर्गत परिसम्पत्तियाँ अधिक करके 1,19,472/- रूपये तक दिखाई गई हैं क्योंकि इस मद के तहत किया जाने वाला खर्च राजस्व प्रकृति का था जो प्रयोगशाला भवन परियोजना के स्थगन के कारण उपयोग नहीं किया जा सका तथा कोई परिसम्पत्ति वास्तव में नहीं सृजित की गई। जिसके कारण उस सीमा तक खर्च को न्यूनविवरण में दिया गया है।

2.4 31 मार्च 1997 तक 2,64,199/- रूपये का कुल मूल्यह्रास लगाने के बाद उपकरण के क्षतिग्रस्त पुर्जों का लगाया गया मूल्य 11,619/- रूपये 'स्थिर परिसम्पत्तियाँ' शीर्ष के अंतर्गत शामिल करके परिसम्पत्ति के रूप में ही दिखाया गया है। अतः 11,619 रूपये को स्थिर परिसम्पत्तियों तथा पूँजीनिधि के लिए अधिक करके दिखाया गया है।

2.5 अनुसूची-टी के अनुसार देय वेतन के रूप में 14,615/- रूपये का नामे शेष समायोजित करने के बाद 62,331/- रूपये को वर्तमान देयताओं का शुद्ध जमा शेष "अप्रदत्त वेतन एवं भत्ते" के अन्तर्गत दिखाया गया है। असमाशोधित रूप में ली गई राशि तथा इस मद के अंतर्गत देय वेतन के रूप में वर्णित नामे शेष (डेबिट बैलेंस) का अंततः समायोजन लेखा में वर्तमान देयताओं का वास्तविक और सही विवरण प्रस्तुत नहीं करते हैं। भामा ब्यूरो ने नवम्बर 1997 में बताया की देय वेतन की राशि समाशोधित की जा रही है।

2.6 यात्राभत्ता अग्रिम के पूरक बही खाते के अनुसार 31.3.97 तक 11,53,866.50 रूपये को शेष राशि के रूप मे दिखाया गया है जबकि ब्यूरो के वार्षिक खाते में इसे केवल 11,38,123.00 रूपये दिखाया गया है। परिणामस्वरूप वर्तमान परिसम्पत्तियाँ न्यून विवरण के रूप में 15,743/- रूपये दर्शायी गई हैं।

2.7 चालू परिसम्पत्तियों, ऋण और अग्रिम के अंतर्गत असमाशोधित अधिशेष

नीचे विवरण में दिए गए 18,78,344.90 रूपये का शेष चालू परिसम्पत्तियों, ऋण व अग्रिम (अनुसूची-एस) शीर्ष के अन्तर्गत दिखाया गया है जिसकी न तो लम्बे समय से पुष्टि की गई है और न ही इसका समयवार विवरण तैयार किया गया है।

2.3 Assets under the head 'Laboratory Building at Lucknow' have been overstated to the extent of Rs. 1,19,472/- as the expenditure booked under this head was of revenue nature and also no assets were actually created. This has resulted into understatement of expenditure also to that extent.

2.4 The written down value of Rs. 11,619/- of the damaged parts of a equipment after charging total depreciation of Rs. 2,64,199/- up to 31 March 1997 was still being shown as asset by including it under the Head 'Fixed Assets (Net Block)' which resulted into overstatement of Fixed Assets and capital fund to the extent of Rs. 11,619/-.

2.5 As per Schedule T-Current Liabilities a net credit balance of Rs. 62,331/- has been shown under the head 'Unpaid Salaries & Wages' after adjusting a debit balance of Rs. 14,615/- as 'Salaries Payable. Adoption of unreconciled figures and consequently adjustment of the said debit balance on account of Salaries Payable under this head doesn't represent true and fair picture of the Current Liabilities in the accounts. BIS stated in November 1997 that the accounts of salary payable being reconciled.

2.6 As per Subsidiary Ledger of 'Travelling Allowance Advances' an amount of Rs. 11,53,866.50 has been shown as balance as on 31.3.97 whereas in annual accounts of the Bureau it has been taken as Rs. 11,38,123/- only. This has resulted into understatement of Current Assets by Rs.15,743/-.

2.7 Unreconciled Balances under Current Assets, Loans & Advances

Balances amounting to Rs. 18,78,334.90, as detailed below, shown under the head Current Assets, Loans & Advances (Schedule-S) were got confirmed/reconciled since long nor agewise details worked out.

1.	कोलम्बो योजना Colombo Plan	5,40,000.40
2.	आई.टी.ई.सी. Indian Technical and Economic Cooperation	12,74,030.90
3.	श्रीलंका को अनुदान Aid to Srilanka	5,388.00
4.	जी.आई.एस. Group Insurance Scheme	58.915.60
	कुल Total	**18,78,334.90**

2.8 ब्यूरो द्वारा प्रकाशित मानकों को 15 वर्गों में बांटा गया है। इन प्रकाशनों की कीमत 20/- रूपये से 200/- रूपये प्रति मानक तक है। मानकों के मुद्रण पर वर्ष 1996-97 के दौरान 48.11 लाख रूपये का व्यय हुआ और उनकी बिक्री से 253.93 लाख रूपये की आमदनी हुई। ब्यूरो में वर्ग 1 से 9 के अन्तर्गत 20.00 रूपये से 100.00 रूपये तक मूल्य वाले मानकों का स्टॉक लेखा कभी नहीं रखा गया। इसी प्रकार ब्यूरो द्वारा वर्ष 1995-96 तक वर्ग 10 से 15 के अन्तर्गत आने वाले मानकों का स्टॉक लेखा वर्ष 1996-97 के दौरान बन्द कर दिया गया। स्टॉक लेखा न रखे जाने के कारण और परिणामस्वरूप वास्तविक सत्यापन न किए जाने से चोरी/दुरूपयोग हो सकता है। इसलिए भविष्य में ऐसी किसी संभावना से बचने के लिए सही रिकार्ड रखे जाने की आवश्यकता है। भामा ब्यूरो ने नवम्बर 1997 में बताया कि इस गतिविधि के लिए पूर्ण कमप्यूटरीकरण किया जा रहा है।

2.8 The publication of Standards of the value ranging from Rs. 20/- to Rs. 200/- per standard brought out by the Bureau have been classified into 15 groups. The expenditure on printing of standards and receipt from the sale of standards during the year 1996-97 was Rs. 48.11 lakh and Rs. 2,53.93 lakh respectively. The stock account of standards under groups 1 to 9, priced between Rs. 20/- to Rs. 100/- has never been maintained in the Bureau. Similarly stock account of standards under group 10 to 15 being maintained by the Bureau uptil 1995-96 was discontinued by it during 1996-97. Since non-maintaining of stock account and consequent non conducting of physical verification thereof may lead to pilferage/misappropriation, etc, a proper record is, therefore, required to be maintained in order to avoid any such eventuality in future. BIS stated in November 1997 that the process of total computerization of the activity was under process.

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 12.12.1997

हस्ता/-
टी. के. सन्याल
प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा

Place: New Delhi
Dated : 12.12.1997

Sd/-
(T.K. Sanyal)
Pr. Director of Audit

भारतीय मानक ब्यूरो
BUREAU OF INDIAN STANDARDS
मोहाली
Mohali
चंडीगढ़
Chandigarh
गाजियाबाद
Ghaziabad
नई दिल्ली
New Delhi
साहिबाबाद
Sahibabad
फरीदाबाद
Faridabad
जयपुर
Jaipur
लखनऊ
Lucknow
कानपुर
Kanpur
पटना
Patna
गुवाहाटी
Guwahati
दुर्गापुर
Durgapur
भोपाल
Bhopal
जमशेदपुर
Jamshedpur
अहमदाबाद
Ahmedabad
राजकोट
Rajkot
राउरकेला
Rourkela
कलकत्ता
Calcutta
भुवनेश्वर
Bhubaneshwar
नागपुर
Nagpur
भिलाई
Bhilai
औरंगाबाद
Aurangabad
मुंबई
Mumbai
पुणे
Pune
हैदराबाद
Hyderabad
चेन्नई
Chennai
बंगलौर
Bangalore
कोयम्बटूर
Coimbatore
तिरुवनन्तपुरम
Thiruvananthapuram
मुख्यालय
Headquarters
क्षेत्रीय कार्यालय
Regional Offices
शाखा कार्यालय
Branch Offices
निरीक्षण कार्यालय
Inspection Offices
प्रयोगशालाएँ
Laboratories

भारतीय मानक ब्यूरो

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

मानक भवन, 9, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002
Manak Bhawan, 9, Bhadurshah Zafar Marg, New Delhi -110002